डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

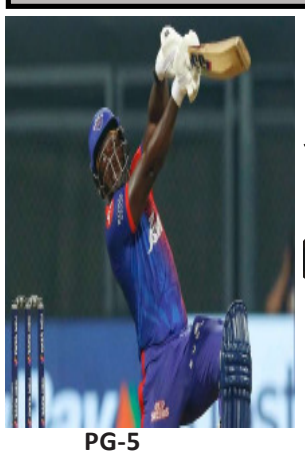

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

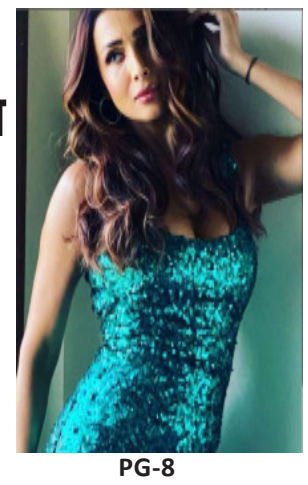

PG-8

सिनेमा:मलाइका अरोड़ा नहीं बनना चाहती थीं आलिया भट्ट

वर्ष -08 अंक -59 | प्रयागराज, शनिवार 07 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

तामिलनाडु के राज्यपाल ने कहा पापुलर फ्रंट आफ इंडिया का उद्देश्य देश में अस्थिरता फैलाना

चेन्नई। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) को एक खतरनाक संगठन बताते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने इससे सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस इस्लामिक संगठन का एक मात्र उद्देश्य है अपने कई मोची से देश में अस्थिरता फैलाना। शुक्रवार को 'द लर्किंग हाइड्राः साउथ एशियाज टेरर ट्रैवेल' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पीएफआइ के 16 से ज्यादा मोर्चे अथवा मुखौटे संगठन हैं। इनमें छात्र संगठन हैं, राजनीतिक दल हैं, मानवाधिकार संगठन हैं और इसी तरह के अन्य मुखौटे संगठन हैं जिनका एक मात्र उद्देश्य देश में अस्थिरता फैलाना है। हिंसा और आतंकवाद फैलाने के लिए यह संगठन अपने राजनीतिक संसाधन का इस्तेमाल करता है। उन्होंने ऐसे संगठनों की निंदा की जो अपने स्वयं के राजनीतिक स्वार्थ के लिए उनका समर्थन कर रहे हैं। इन्हें विदेशों से फंडिंग हो रही है। यह एक ऐसा खतरा है जिससे हमें बहुत ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है। एक पूर्व खुफिया अधिकारी और नगा शांति वार्ता पर केंद्र के वार्ताकार के तौर पर एन. रवि ने आरोप लगाया कि अमेरिका और ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों ने नगाओं को उकसाया था। ब्रिटिश पूर्वोत्तर भारत से बाहर और बर्मा के ऊपर एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाना चाहते थे। उन्होंने अमेरिकी बैपटिस्ट चर्च और अंग्रेजी चर्च के इंजील प्रयासों की मदद ली। अमेरिकियों ने असम में नागाओं को उकसाते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र में परेशानी पैदा की। उन्होंने कहा कि अंग्रेज पूर्वोत्तर को पाकिस्तान के साथ जोड़ना चाहते थे और नागाओं ने इसका विरोध किया था। उनके अनुसार, पश्चिम पूर्वोत्तर में एक ईसाई क्षेत्र बनाना चाहता था। भारत में चीनी साम्यवाद के प्रसार को रोकने के लिए और अफगानिस्तान में सोवियत साम्यवाद को रोकने के लिए उन्होंने कट्टरपंथी इस्लाम का इस्तेमाल किया। रवि ने भारत में आतंकवाद को विदेशी शक्तियों द्वारा उकसाया, प्रेरित और उकसाया और कई देशों ने देश में खूनी खेल खेले हैं।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच अगले साल लग सकती है मुक्त व्यापार समझौता पर मुहर, पीयूष गोयल ने जताई संभावना

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई कि अगले वर्ष तक भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हो जाएगा। आइएमसी चैंबर आफ कामर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए गोयल ने कहा कि देश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया के साथ पहले ही एफटीए समझौता कर लिया है। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ समझौते के लिए बातचीत चल रही है। गोयल ने कहा, अगले साल तक हम यूरोपीय संघ के साथ एक एफटीए पूरा करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि इटली के विदेश मंत्री सहित एक प्रतिनिधिमंडल अभी नई दिल्ली में है। प्रतिनिधिमंडल के साथ इस संबंध में विचार-विमर्श करेंगे। इटली यूरोपीय संघ का सदस्य देश है। गोयल ने कहा कि ब्रिटेन के साथ पहले ही

तीन दौर की बातचीत हो चुकी है। जल्द ही चौथे दौर की वार्ता होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वह 26-27 मई को प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। गोयल ने कहा कि एफटीए भारत में विकास को आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ ही रोजगार के और अधिक अवसर सृजित करेंगे। उन्होंने कहा कि देश से अप्रैल में 38 अरब डालर का निर्यात हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि भारत उच्च श्रेणी के उत्पादों के लिए विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। प्रदर्शन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना और बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने जैसे कार्यक्रम अपेक्षित परिणाम दे रहे हैं। मार्च में 1.67 लाख करोड़ रुपये से अधिक के जीएसटी संग्रह होने का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि यह बहुत राहत देने वाला है कि आर्थिक गतिविधि उम्मीद से अधिक तेजी से वापस पटरी पर लौटती दिख रही है। परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआइ)में उछाल भी इसी ओर इशारा करता है।

दूसरे धर्म में प्रेम विवाह पर दलित युवक की हत्या के मामले में तेलंगाना की राज्यपाल ने सरकार को किया तलब

नई दिल्ली। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलीसाई सुंदरराजन ने मुस्लिम पतने के रिश्तेदारों के हाथों हिंदू युवक की हत्या के मामले में राज्य सरकार से विस्तृत

रिपोर्ट तलब की है। दूसरे धर्म में प्रेम विवाह करने पर हत्या के इसी मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने भी हैदराबाद पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। राजभवन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस हत्या का वीडियो वायरल होने के बाद तेलंगाना की राज्यपाल तमिलीसाई सुंदरराजन ने इस हत्याकांड से संबंधित मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से बी. नागराजू की हत्या के मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पुलिस के मुताबिक बीच सड़क पर युवक की बाइक रोक कर लोहे की राड से पीटने और चाकू मारने की घटना सामने आने के बाद लड़की के दोनों रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया जा चुका है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी को दलित युवक की हत्या के मामले में तलब करते हुए जल्द से जल्द रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग के अध्यक्ष विजय संपला ने इस संबंध में डीजीपी और अन्य संबंधित लोगों को ट्वीट किया है।

देश में प्रजनन दर 2.2 से घटकर 2.0 हुई, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पांच राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से अधिक

नई दिल्ली। देश में आबादी बढ़ने की रफ्तार धीमी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के पांचवें दौर

की रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल प्रजनन दर 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। यह जनसंख्या नियंत्रण उपायों की अहम प्रगति को दर्शाता है। कुल प्रजनन दर (टीएफआर) जिसे प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या के रूप में मापा जाता है, राष्ट्रीय स्तर पर एनएफएचएस-4 और 5 के बीच 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है। सिर्फ पांच राज्य ऐसे हैं जहां प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। ये राज्य हैं- बिहार (2.98), मेघालय (2.91), उत्तर प्रदेश (2.35), झारखंड (2.26) और मणिपुर (2.17)। इसमें देश के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के 707 जिलों (मार्च 2017 तक) के लगभग 6.37 लाख सैंपल परिवारों से लिए गए। इसमें 7,24,115 महिलाओं और 1,01,839 पुरुषों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक देश में समग्र गर्भनिरोधक प्रसार दर (सीपीआर) में अच्छी खासी वृद्धि हुई है और यह 54 प्रतिशत से बढ़कर 67 प्रतिशत हो गई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक लगभग सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में गर्भनिरोधकों के आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल बढ़ा है। परिवार नियोजन की अधूरी जरूरतों में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है ।

दिनभर चले हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद देर रात घर पहुंचे तेजिंदर बग्गा, कहा किसी से डरने वाले नहीं

नई दिल्ली। शुक्रवार को दिनभर चले नाटकीय घटनाक्रम के बीच भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय सचिव तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को दिल्ली पुलिस ने देर रात गुरुग्राम में मजिस्ट्रेट सिद्धा त्रिपाठी के आवास पर पेश किया। जिसके बाद वह अपने

घर के लिए रवाना हो गए, बयान सोमवार को दर्ज होंगे। मजिस्ट्रेट ने बग्गा और उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। साथ ही बताया जा रहा है कि मजिस्ट्रेट के सामने पेशी से पहले बग्गा को मेडिकल जांच के लिए दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया था। बग्गा की पीठ और कंधे में चोट लगी है। बग्गा ने अपने आवास के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए समर्थन करने के लिए हरियाणा और दिल्ली पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग मानते है कि वे पुलिस की मदद से कुछ भी कर सकते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भाजपा कार्यकर्ता किसी से नहीं डरेगा। मैं हरियाणा और दिल्ली पुलिस और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मेरा समर्थन करने के लिए धन्यवाद देता हूं। दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है और लोग संबंधितों को दंडित किया जाएगा।गौरतलब है कि तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ की गई टिप्पणी के लिए पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें उनके जनकपुरी स्थित आवास से शुक्रवार सुबह अचानक छापा मारकर गिरफ्तार किया गया। बग्गा की गिरफ्तारी की भनक लगते ही दिल्ली में भाजपा का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। वहीं, स्वजनों की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने पंजाब पुलिस के खिलाफ अपहरण, लूट, डकैती सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर हरियाणा पुलिस के सहयोग से बग्गा को मुक्त करा लिया।

हेमंत सोरेन पर आया संकट तो कांग्रेस ने साधी चुप्पी कानूनी लड़ाई में छोड़ा साथ

रांची। भारतीय जनता पार्टी के साथ जारी राजनीतिक लड़ाई में भले ही कांग्रेस और झामुमो एक साथ मोर्चा लेते दिख रही है, इस बात के संकेत भी स्पष्ट तौर पर उभरने लगे हैं कि कानूनी लड़ाई में पार्टी झामुमो से अलग-थलग ही रहेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय के बयान से यह और स्पष्ट होता है जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। न्यायपालिका पर भरोसा का मतलब उससे टकराने की राह पकड़ने से कांग्रेस बचेगी। अगर कांग्रेस को न्यायपालिका के खिलाफ स्टैंड लेना होता तो विभिन्न माध्यमों से पार्टी ने इसका विरोध शुरू कर दिया होता लेकिन कांग्रेस की चुप्पी झामुमो को भी नसीहत दे रही है। झारखंड में अलग-अलग राजनीति करनेवाले दोनों दल पिछले चुनाव में एक साथ आकर चुनाव लड़े थे और राज्य की सत्ता पर काबिज होने में इन्हें सफलता भी मिली। लेकिन, सत्ता में आने के बावजूद विभिन्न मुद्दों पर दोनों दलों में कुछ ना कुछ मनभेद भी कायम

है। झारखंड में घपले-घोटाले को लेकर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई आरंभ से होती रही है। राज्य के बाहर इसी वजह से प्रदेश की बड़े पैमाने पर बदनामी होती है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के कार्यकाल में यह परवान पर रहा। एजेंसियों की कार्रवाई नेताओं के साथ-साथ अधिकारियों पर भी होती रही है। यह भी दुर्भाग्यजनक है कि अविभाजित बिहार में हुए चारा घोटाले की जद में भी यही हिस्सा रहा। भ्रष्टाचार करने में अधिकारी भी पीछे नहीं रहे और ऐसे अधिकारियों की लंबी फेहरिश्त है, जिन्हें दंड भुगतना पड़ा। अफसोसजनक है कि यह अभी भी जारी है, जबकि केंद्र सरकार की सतर्कता एजेंसियों ने लगातार ऐसे मामलों में जांच के बाद तत्परता से कार्रवाई की है। है। जिन विभागों में गड़बडियों के कारण ये कार्रवाई शुरू हुई है उन विभागों के मंत्री स्वयं मुख्यमंत्री हैं और ऐसे में किसी प्रकार का हस्तक्षेप से कांग्रेस बचना चाह रही

दिल्ली में कोविड-19 के 1,656 नए मामले आए सामने, तीन महीने बाद दर्ज हुए सबसे ज्यादा केस

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से भारत उभर ही रहा था कि एक बार फिर वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ने लगा है। देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को 1,656 नए कोविड ???-19 के मामले सामने आए, जो इस साल में 4 फरवरी के बाद सबसे अधिक संख्या है। वहीं इसके साथ ही संक्रमण दर 4.98 फीसद हो गया है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य बुलेटिन ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय केसलोएड 6,096 हो गया है इससे पहले गुरुवार को शहर में 1,365 नए मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि राहत देने वाली खबर यह है कि संक्रमण से अभी तक कोई मौत का मामला सामने नहीं आया है। वहीं अगर बुधवार की बात की जाए तो इस दिन 1354 नए मामले रिपोर्ट किए गए थे, जबकि वायरस से एक व्यक्ति की मौत हुई थी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में में संचयी सकारात्मकता दर में गिरावट देखी गई है, जो गुरुवार को 6.35 फीसद के मुकाबले अब 4.98 फीसद हो गई है।

नेता अर्जुन चौरसिया की हत्या का गृह मंत्रालय ने लिया संज्ञान बंगाल सरकार से मांगी रिपोर्ट, शाह ने परिजनों से की मुलाकात

कोलकाता। बंगाल में पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद बाद दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दूसरे दिन शुक्रवार दोपहर को कोलकाता के काशीपुर इलाके में मृत भाजपा कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया (27) के घर पहुंचे। अर्जुन चौरसिया का शव सुबह संदिग्ध हालत में फंदे से लटकता मिला था। शाह ने यहां मृतक के परिवार के लोगों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। शाह ने मृतक के घर से कुछ दूरी पर स्थित उस स्थान का भी दौरा किया जिस सुनसान इमारत से भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष चौरसिया का शव बरामद किया। कोलकाता, राज?य ब्यूरो। बंगाल में पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद बाद दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दूसरे दिन शुक्रवार दोपहर को कोलकाता के काशीपुर इलाके में मृत भाजपा कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया (27) के घर पहुंचे। अर्जुन चौरसिया का शव सुबह संदिग्ध हालत में फंदे से लटकता मिला था। शाह ने यहां मृतक के परिवार के लोगों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। शाह ने मृतक के घर से कुछ दूरी पर स्थित उस स्थान का भी दौरा किया जिस सुनसान इमारत से भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष चौरसिया

का शव बरामद किया। परिजनों से मुलाकात के बाद अमित शाह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज भाजपा के कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया की राजनीतिक बदले की भावना से हत्या कर दी गई। उनके परिवार का कहना है कि उनका जघन्य रूप से कत?ल किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि कल ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे हुए हैं। इसके दूसरे दिन ही राजनीतिक हिंसा का दौर शुरू हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि पूरे बंगाल में राजनीतिक हिंसा, प्रतिशोध में हत्याएं और विरोधी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर निशाना बनाने के अनेक उदाहरण हमारे पास आए हैं। भाजपा अर्जुन की हत्या की घोर निंदा करती है और हम अदालत से हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा मिले यह सुनिश्चत करेंगे। उन्होंने इस हत्याकांड की घोर निंदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार को इस हत्याकांड की जांच सीबीआइ को सौंप देनी जानी चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय भी इस घटना का गंभीरता से संज्ञान में ले रहा है और आज ही गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने आगे कहा कि मैं पीड़ित परिवार से मिला हूं। चौरसिया की दादी को भी नहीं बख्शा गया, उनको भी मारा गया। भाजपा के कार्यकर्ता अदालत के सामने गए हैं कि इसका वीडियोग्राफी के साथ पैनल पोस्टमार्टम हो और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपा जाना चाहिए। शाह ने कहा कि भाजपा सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। बता दें कि शाह के दो दिवसीय बंगाल दौरे के बीच कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ता का संदिग्ध अवस्था में शुक्रवार को शव मिला। इसके बाद सूबे की सियासत गरमा गई। कोलकाता के काशीपुर इलाके में पार्टी कार्यकर्ता अर्जुन चौरसिया का सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका हुआ शव बरामद किया गया। चौरसिया का शव यहां काशीपुर के घोष बागान इलाके में एक सुनसान इमारत में लटका मिला। वहीं, भाजपा ने इसे हत्या बताते हुए इसके लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि तृणमूल ने आरोपों को खारिज किया है। इधर, इस घटना के बाद पार्टी ने कोलकाता में शाह के स्वागत समारोह के सभी कार्यक्रमों को भी रद कर दिया। प्रदेश भाजपा की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि वह एक कुशल पार्टी कार्यकर्ता थे। हमने आज सुबह उन्हें मृत हालत में पाया। इधर, भाजपा के आरोपों का खंडन करते हुए टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने कहा, इस घटना के लिए पार्टी पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। पुलिस को मामले की जांच करने दें। पुलिस ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

यूफोरिएल यूथ सोसाइटी ने निःशुल्क स्वास्थ शिविर का किया अयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। दिनांक 5/5/2022 को यूफोरिएल यूथ सोसाइटी के तत्वाधान में बोंगी, घूरपूर में स्वरूप रानी के डॉक्टर के संहयग से साथ ही साथ यूफोरियल यूथ सोसाइटी के उपाध्यक्ष अनीश पाण्डेय के जन्मदिन के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 150 से अधिक लोगो ने उठाया लाभ। गांवों में कई बार एक अच्छे डॉक्टर न होने की वजह से कई लोगों को सही स्वास्थ सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पाती है और कई बार ऐसा भी होता है की डॉक्टर का क्लिनिक गाँव से अधिक दूरी पर होने से कई लोग अपने काम में व्यस्त होने के कारण बीमारियों के प्रारंभिक स्तर पर इलाज करवाने मे असमर्थ रहते हैं जिस कारण से बिमारियाँ और गंभीर हो जाती है। यहाँ पूछने से यह भी पता चला की कई सारे परिवार ऐसे भी है जो आर्थिक स्थिति सही ना होने के कारण अपना इलाज करवाने में असमर्थ हैं और समय निकाल कर शहर भी नहीं जा सकते क्योंकी

वह सब रोज कमाने रोज खाने वाले लोग हैं। डॉक्टरों का कहना था कि लोग असंतुलित खानपान के साथ ही दिनचर्या के कामों में तनाव लेने से इस तरह के रोगों की चपेट में आते हैं। इनसे बचाव के लिए लोगों को समय-समय पर अपनी जांचें करानी चाहिए। अधिक उम्र के लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आज के इस निःशुल्क स्वास्थ शिविर में 150 से अधिक हर वर्ग के बच्चों, महिलाओं तथा आदमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं अपना मुफ्त इलाज करवाया और मुफ्त दवियायों का लाभ उठाया। इस शिविर में डॉ.उत्कर्ष मजुमदार (जनरल फिजिशियन , एस. आर. एन), डॉ राज कुमार गुप्ता (एस. आर.एन), यूफोरियल यूथ सोसाइटी के मेडिकल ऑफिसर साथ ही साथ डफरीन हॉस्पिटल में कार्यरत डॉक्टर मनोज त्रिपाठी एवं यूफोरियल यूथ सोसाइटी के अध्यक्ष देवेश जायसवाल, उपाध्यक्ष अनीश पांडेय ,पी. आर. ओ. गगन सिंह , टीम सहयोगी राहुल और सरंक्षक मोहम्मद शाकिब, डॉक्टर मनोज कुमार आदि मौजुद रहे।

पलायन को मजबूर है अवैध वसूली करने वालो से परेशान व्यापारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। शहर के केशव ग्रीन सिटी के व्यापारी मुकेश अग्रवाल ने गुरूवार को एक ज्ञापन डीएम तथा पुलिस अधीक्षक को सौप कर न्याय की गुहार लगाई है। डीएम व एसपी को

सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि उनसे धन उगाही किए जाने को लेकर अक्सर लोग झूठे मुकदमें लिखवाते रहते है। उन्होंने ताजा मामला दो-तीन दिन पूर्व का ही बताया। श्री अग्रवाल की माने तो किसान मंच की महिला पदाधिकारी अल्पना सिंह अपने पुत्र के साथ वहां आई और पैसा मांगने लगा। इस दौरान उन्होंने पुलिस बुला ली और उसका वीडियो भी बना लिया। जिसके सारे सबूत भी उनके पास है। फिर भी थाना रामकोट पुलिस ने उल्टे ही उनके ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया जो पूरी तरह से नाइंसाफी है। इससे पूर्व भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके है और हर बार जांच में शिकायतकर्ता ही झूठे पाए जाते है। ऐसे में पुलिस व प्रशासन के रवैया से आजिज होकर व्यापारी सीतापुर से पलायन को मजबूर है जबकि प्रदेश में इंसाफ करने वाली सरकार बैठी है फिर भी लोग परेशान करने में जुटे हुए है। अगर उसे इंसाफ नहीं दिया गया तो व्यापारी सीतापुर से पलायन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन सौपने वालों में नवीन अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, मिंटू अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पुलिस महानिरीक्षक महोदया, लखनऊ परिक्षेत्र, लखनऊ द्वारा जनपद सीतापुर का वार्षिक निरीक्षण किया गया.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापु । महानिरीक्षक महोदया, लखनऊ परिक्षेत्र, लखनऊ द्वारा जनपद सीतापुर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

महोदया द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन का भ्रमण करके विभिन्न शाखाओं/ इकाइयों, आर्मरी, क्वार्टर गार्द, अर्दली-कक्ष आदि का निरीक्षण किया एवं सम्बन्धित अभिलेखों के रख-रखाव के विषय में पूछताछ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आर्मरी/क्वार्टर गार्द और मैगजीन के निरीक्षण के दौरान शस्त्रों का रख-रखाव तथा रिकार्ड कीपिंग उत्तम दर्जे की पायी गयी जिसके लिए हेड आमीरर को पुलिस महानिरीक्षक महोदया द्वारा पांच हजार रूपए का इनाम भी घोषित किया गया। लखनऊ परिक्षेत्र के चार जनपदों के वार्षिक निरीक्षण में जनपद सीतापुर में मैगजीन, एमुनेशन तथा शस्त्रों के रख-रखाव व उनकी सफाई को सर्वोत्तम पाया गया जिस हेतु महोदया द्वारा प्रशंसा भी की गयी। क्वॉर्टर गार्द के निरीक्षण के दौरान महोदया द्वारा सुरक्षा गार्डों की मुस्तैदी का परीक्षण किया गया तथा विषम परिस्थितियों में अपनाये जाने वाले टैक्टिक्स का अभ्यास भी देखा गया। साथ ही प्रतिसार निरीक्षक सीतापुर को सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस लाइन स्थित नवनिर्मित जिम (व्यायामशाला) का उद्घाटन किया एवं आरटीसी बैरक व मेस का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

राष्ट्रीय लोक अदालत करे अधिकतम मुकदमों का निस्तारण -जनपद न्यायाधीश

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मई 2022 के सम्बन्ध में जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में बैंक एवं बीमा कम्पनी के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में जनपद न्यायाधीश ने सभी बैंकों, बीमा कम्पनी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैंक ऋण अदायगी व बीमा कम्पनी से सम्बन्धित अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में कराया जाये। बैठक में इंडियन बैंक के पीयूष सोनकर, केनरा बैंक के हिमांशु तिवारी, बैंक ऑफ बड़ौदा की मोन्ती सिन्हा, बैंक ऑफ इण्डिया के मनोज कुमार, यू0आई0आई0सी इलाहाबाद उज्जवल कुमार,यू0आई0आई0 सी0अरूण सिक्वा सहित बीमा कम्पनी के अधिकारीगण व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। इसी प्रकार पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 रोहित सिन्हा की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14 मई 2022 को सफल बनाने हेतु प्री-ट्रायल बैठक की गयी। बैठक में पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों को पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मुकदमों का निपटारा कराने में सहयोग की बात कही। बैठक का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में एम0ए0सी0टी0 वादों से सम्बन्धित अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे।

नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी मोईद अंसारी के घर ईद मिलन समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के जानिब से मोईद अंसारी के घर पर ईद मिलन समारोह में हिंदू मुस्लिम द्वारा आपसी भाईचारा का

मजबूत उदाहरण पेश किया गया एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी गई ईद मिलन समारोह में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे अनीस मंसूरी मोईद अंसारी राहुल दुबे संजय गौतम महेश मौर्या आखिलेश यादव इमरान खान तोहिद अख्तर प्रदीप कुमार पांडे मोहम्मद शादाब अमित यादव शिवकुमार पुष्पा कर मोहम्मद गुलफाम एजाज अहमद सोनू जयसवाल सरफराज अहमद मोहनीष श्रीवास्तव अजय मौर्य मोहम्मद सलीम मोहम्मद शकील राजबली यादव सभी लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में गुरूवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में प्रयागराज मेला प्राधिकरण की तेरहवीं बोर्ड की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अक्षयवट मार्ग के विकास एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बंध में निर्णय लेते हुए इस हेतु आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही साथ मां त्रिवेणी की आरती, संगम क्षेत्र व आस-पास के घाटों का विकास एवं तीर्थ-यात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाये जाने हेतु भी आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए कहा गया। बैठक में संगम क्षेत्र, किला घाट, हनुमान मंदिर एवं परेड क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने एवं इसका नियमित रूप से अनुश्रवण किए जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा भी लगाकर साफ-सफाई एवं श्रमिकों की उपस्थिति का नियमित रूप से अनुश्रवण किए जाने के लिए कहा गया। बैठक में मेला प्राधिकरण कार्यालय परिसर के भवन में ही रिकार्ड रूम बनाये जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। संगम नोज के पास संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के दृष्टिगत फूड कोर्ट, एम्यूजमेंट जोन, वेण्डिंग जोन तथा

स्टॉल लगाये जाने हेतु निर्धारित मानकों का पालन करते हुए आवश्यक कार्यवाही किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अधिक से अधिक बेहतर सुविधायें सुनिश्चित कराये जाने के सम्बंध में भी विचार-विमर्श किया गया। मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं से बोटिंग के लिए निर्धारित रेट से अधिक पैसा लिए जाने की शिकायत के मद्देनजर नांव की ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के लिए मण्डलायुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया, जिसके लिए बुकिंग काउण्टर, टोकन सिस्टम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाये जाने के लिए निर्देशित किया गया। संगम क्षेत्र में मोटराइज्ड बोट के संचालन हेतु निर्धारित मानकों का अनुपालन करते हुए अनुमति प्रदान किए जाने के सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि मेला प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधायें प्रदान करना हो। बैठक में नैनी ब्रिज पर लाइटिंग की समुचित व्यवस्था नियमित रूप से बनाये रखने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर आईजी श्री राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अरविंद चैहान सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित

ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

जिला पंचायत की बैठक 10 मई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने अवगत कराया है कि जिला पंचायत प्रतापगढ़ की बैठक जिला पंचायत की अध्यक्षता में दिनांक 10 मई 2022 को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत सभागार में की जायेगी। बैठक में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति पर विचार, जिला योजना वर्ष 2022-23 पर विचार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 हेतु जनपद प्रतापगढ़ का श्रम बजट सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।

स्वतंत्रता दिवस रेलवे कर्मियों के लिए होगा खास

प्रयागराज। आजादी की 75वीं वर्षगांठ यानी स्वतंत्रता दिवस इस बार खास होगा। विशेष रूप से रेलवे कर्मियों के लिए। पर इस बार रेलवे का कोना कोना देशभक्ति की हिलोर में डूबा दिखेगा। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के 60 हजार रेलकर्मी एक साथ तिरंगा फहराएंगे। रेलवे का जोन मुख्यालय, मंडल मुख्यालय, स्टेशन समेत हर कार्यालय के साथ रेल कर्मियों के आवास देशभक्ति के रंग में रंगे नजर आएंगे। रेल मंत्रालय के 'हर घर झंडा अभियान में हर रेलकर्मी जुड़ेगा और तिरंगे फहराने के साथ सेल्फी भी लेगा। गौरव के भागीदार बनेंगे रेलकर्मी : भारत की आजादी के 75वें वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार ने आजादी का अमृत महोसव अभियान चलाया है।

रजिस्ट्रार ने मांगा 5 वर्ष का विवरण न देने पर प्रकाशन होगा रद्द.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपर प्रेस पंजीयक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय नई दिल्ली द्वारा जनपद प्रतापगढ़ से प्रकाशित 57 समाचार पत्र/पत्रिकाओं की विगत पॉच वर्षो के दौरान वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने को कहा है।जो प्रकाशक वार्षिक विवरण प्रस्तुत नहीं करेंगे उनके प्रकाशन को रद्द करने से सम्बन्धित पत्र जिला कलेक्टर/ जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित किया है। जिला मजिस्ट्रेट डा0 नितिन बंसल के निर्देश पर तत्सम्बन्धी समाचार पत्र/पत्रिकाओं की सूची उनके प्रकाशक/स्वामी के अवलोकनार्थ जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ में उपलब्ध है।उपरोक्त पत्र के द्वारा अवगत कराया है कि भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय (आर0एन0आई0) प्रेस एवं पुस्तकों के पंजीयन अधिनियम 1867 के अन्तर्गत सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा संस्तुति किये गये घोषणा पत्र के आधार पर समाचार पत्रों/पत्रिकाओं का पंजीयन करता है। पंजीकृत प्रकाशनों के स्वामी/प्रकाशक हेतु यह अनिवार्य है कि वह निर्धारित प्रपत्र में प्रेस एवं पुस्तक पंजीयन अधिनियम 1867 की धारा-19डी के अनुसार प्रत्येक वर्ष 31 मई तक अथवा उससे पूर्व वार्षिक विवरणी आर0एन0आई0 कार्यालय में जमा कर दें। पत्र के द्वारा यह अवगत कराया गया है कि ऐसे प्रकाशक जिन्होनें विगत तीन वर्षो तक वार्षिक विवरणी प्रस्तुत नहीं की थी जनवरी 2020 में अवसर प्रदान किया गया था कि वे अपनी वार्षिक विवरणी जमा कर दें। अपर प्रेस पंजीयक आर0एन0आई0 द्वारा जारी पत्र व जनपद प्रतापगढ़ के 57 पंजीकृत प्रकाशनों की सूची प्रकाशन स्थल के आधार पर जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ में उपलब्ध है। सम्बन्धित समाचार पत्र के स्वामी/ प्रकाशक सूची देखकर वांछित सूचना जिला सूचना अधिकारी प्रतापगढ़ को एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें अन्यथा पी0आर0बी0 अधिनियम 1867 की धारा-8 के अन्तर्गत इन प्रकाशनों प्राधिकत घोषणा पत्र (फार्म-1) रदद् कर दिया जायेगा। यदि इसमें से किसी प्रकाशक ने अपना प्रकाशन जारी रखा है तो उसकी सूचना कार्यालय को दी जाये।

अधिकतर दवाएं उपलब्ध पर डाक्टर नहीं देते जाने की सलाह

आजमगढ़ । डाक्टर पर्चा लिखने के बाद बाहर से दवा लेने की सलाह देते हैं। पर्चे पर दवाओं का ब्रांड नेम लिखा जाता है। जागरूक मरीज तो जन औषधि केंद्र पर पहुंचकर दवा ले लेते हैं, लेकिन जिन मरीजों को नाम से इतर दवा न लेने को कहा जाता है, वह दो टूक जवाब देते कि जो दवा लिखी गई है, वही चाहिए। ऐसा बोलने वालों को दवा नहीं मिल पाती। इसके अलावा जो मरीज दवा लेने के बाद डाक्टर को दिखाने पहुंच जाते हैं, उनसे दवा लौटवा दिया जाता है।गरीबों को कम मूल्य पर दवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र शुरू किया गया, लेकिन उसका लाभ जागरूक मरीजों को ही मिल पा रहा है। गरीबों को कम पैसे में दवा उपलब्ध कराने की सरकार की मंशा तो ठीक, लेकिन चिकित्सक वहां जाने की सलाह नहीं देते हैं, जबकि अधिकतर दवाएं जन औषधि केंद्र पर उपलब्ध रहती है। की पड़ताल में पाया गया कि राजकीय मेडिकल कालेज में डाक्टरों द्वारा पांच मरीजों के लिए लिखी गई पर्चियों में दवाओं का ब्रांड नेम लिखा गया था। चक्रपानपुर स्थित जन औषधि केंद्र के संचालक मृत्युंजय पांडेय ने बताया कि डाक्टरों द्वारा पर्ची पर दवाओं का ब्रांड नेम लिख दिया जाता है। ऐसे में मरीजों को बाध्य होकर मेडिकल हाल से अधिक कीमत पर ही दवाएं लेनी पड़ती हैं। यदि मरीज दवा के फार्मूले के आधार पर जन

औषधि केंद्र से दवा ले जाता है, तो डाक्टर फायदा न होने का बहाना बनाकर उसे वापस करा देते हैं। उदाहरण दिया कि बुखार के लिए पैरासिटामाल तथा गैस के लिए पैंटाप्रोजोल है, जो केमिकल नाम है। यह दवा का फार्मूला है, लेकिन पर्चे पर पैरासिटामाल की जगह डोलो अथवा कुछ अन्य ब्रांड नेम तथा पैंटाप्रोजोल की जगह ब्रांड नेम पैंटाप लिखा जाता है, जबकि दोनों का फार्मूला अपने पास है। यदि डाक्टर पर्चे पर दवा का फार्मूला अर्थात केमिकल का नाम लिखते तो मरीज को बहुत कम कीमत पर दवा उपलब्ध हो जाती। कुछ डाक्टर तो दवा का ऐसा नाम लिखते हैं, जो चिह्नित मेडिकल हाल पर ही मिलती है। मंडलीय जिला अस्पताल की पड़ताल में भी कुछ ऐसा ही दिखा। मरीजों से पूछा गया कि डाक्टर ने कहां से दवा लेने के लिए कहा है, तो जवाब मिला कि बाहर से। जन औषधि केंद्र के बारे में नहीं बताया। मंडलीय जिला अस्पताल परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र के संचालक सोनू सिंह एवं फार्मासिस्ट विपिन गुप्ता ने बताया कि डाक्टर अगर मेडिसिन का फार्मूला लिखते तो एक भी मरीज को वापस नहीं करना पड़ता। कभी-कभी ऐसा नाम लिखा जाता है जिसके साल्ट के बारे में जानकारी न होने पर मरीजों को वापस करना पड़ता है। मरीज दवा लेकर दिखाने गया तो कई डाक्टर यह कहकर दवा वापस करा देते हैं कि काम नहीं करेगी। वापस करा देते हैं कि काम नहीं करेगी। बोले मरीज सस्ती दवा के लिए यहां आया सीढ़ी से उतरते समय कुछ दिक्कत होने लगी थी। आथी सर्जन डा. अभिषेक सिंह को दिखाने आया था। बाहर की दवा का पर्ची लिखा तो जनऔषधि केंद्र पर अपने मन से आ गया। उमेश सिंह एडवोकेट, मेंहनगर। सीने में दर्द होता था, डाक्टर विमलेश को दिखाने आई थी। उन्होंने बाहर से दवा लेने की सलाह दी, लेकिन अपने मन से यहां आकर पूछा तो पता चला कि बाहर से सस्ती दवा मिलेगी। सोनौता देवी, ग्राम शेखपुरा। मां मीरा यादव को कान में दिक्कत थी। डा. आशुतोष सिंह को दिखाया तो बाहर से दवा की पर्ची लिख दी। मुझे मालूम है कि यहां सस्ती दवा मिलती है इसलिए चला आया। आकाश यादव, कप्तानगंज। बाबा पारसनाथ को कूल्हे में तकलीफ के कारण आथी सर्जन डा. अभिषेक सिंह को दिखाने आया था। उन्होंने बाहर से दवा का पर्चा लिख दिया, लेकिन यहां से दवा लेने की बात नहीं कही, अपने मन से यहां आया। -प्रवीण यादव, कंधरापुर। जेनेरिक दवाएं ही लिखी जाती है : चिकित्सक मंडलीय जिला अस्पताल की पड़ताल में चार मरीजों का पर्चा लेकर संबधित डाक्टरों से बात की गई, तो बताया कि सभी दवाएं जेनेरिक है और जन औषधि केंद्र पर उपलब्ध है। हृदय रोग विशेषज्ञ डा. विमलेश कुमार, ईएनटी सर्जन आशुतोष सिंह तथा आथी सर्जन डा. अभिषेक सिंह ने कहा कि मरीजों के हित को देखते हुए हमने जेनेरिक दवाएं लिखी हैं। कभी-कभार विशेष परिस्थिति में मरीजों की जरूरत को देख ब्रांडेड दवाएं लिखनी पड़ती है।

हरिश्चंद्र पीजी कालेज में छात्रसंघ चुनाव का शंखनाद नामांकन आठ को और मतदान 16 मई को

वाराणसी। हरिश्चंद्र पीजी कालेज में भी छात्रसंघ चुनाव के लिए गुरुवार को शंखनाद हो गया। चुनाव 16 मई को होगा। वहीं छात्रसंघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री व पुस्तकालय मंत्री व पांच संकाय प्रतिनिधियों के लिए नामांकन आठ मई को सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक होगा। चुनाव के लिए छात्र लगातार दबाव बनाए हुए थे। जिला प्रशासन से हरी झंडी मिलते ही मुख्य चुनाव अधिकारी डा. अशोक कुमार सिंह ने सायंकाल चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। तत्काल प्रभाव से अचार संहिता भी लागू कर दी गई। प्राचार्य डा. रजनीश कुंवर ने परिसर में जुलूस व रैली निकालने पर रोक लगा दी है। आचार संहिता उल्लंघन पर संबंधित उम्मीदवार का नामांकन रद करने की चेतावनी दी है। आठ मई : नामांकन (सुबह दस से शाम चार बजे तक) 09 मई : नामांकन पत्रों का सत्यापन, वैध प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन 10 मई : नामांकन पत्रों की वापसी सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक 16 मई : मतदान सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक। दोपहर तीन बजे से मतगणना, परिणाम व शपथ।उदय प्रताप महाविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान छह मई को

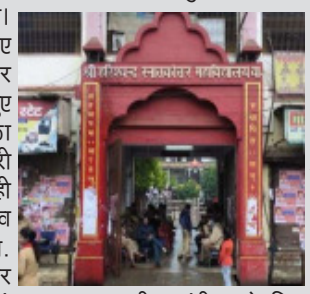

सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगा। महामंत्री व संकाय प्रतिनिधि के प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए है। ऐसे में अब अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पुस्तकालय मंत्री पद के लिए चुनाव होगा। इस दौरान चुनाव में 5080 मतदाताओं को अपना प्रतिनिधि चुनने का मौका मिलेगा। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पुस्तकालय मंत्री पद पर सात प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर सीधा व पुस्तकालय मंत्री पद पर त्रिकोणीय मुकाबला है। यूपी कालेज के प्राचार्य डा. धर्मेंद्र कुमार सिह ने चुनाव की तैयारी पूरी कर लेने का दावा किया है।

बलदेव पीजी कालेज में छात्रसंघ चुनाव के लिए नामांकन शुरू चुनाव १५ मई को होगा

वाराणसी । बलदेव पीजी कालेज (बड़ागांव) में छात्रसंघ के विभिन्न पदों व महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गंगापुर परिसर में छात्रसंघ के दो प्रतिनिधियों के लिए चुनाव 15 मई को होगा। बलदेव कालेज में छात्रसंघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री पुस्तकालय मंत्री, कला व विज्ञान संकाय

प्रतिनिधि के लिए नामांकन छह मई को सुबह आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जा सकता है। वहीं गंगापुर परिसर में नामांकन के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन छह मई को सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक किया जा सकता है। बलदेव पीजी कालेज के चुनाव अधिकारी डा. विश्वनाथ कुमार ने बताया कि नामांकन के परिसर में पांच काउंटर बनाए गए है। इस दौरान प्रत्याशियों के अलावा उनके दो प्रस्तावक को ही परिसर में प्रवेश की अनुमति होगी। प्रत्याशी व उनके प्रस्तावकों के लिए परिचय पत्र, शुल्क रसीद, अंकपत्रों की फोटो कापी सहित अन्य मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। कहा कि नामांकन के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए है। इस क्रम में कालेज के दोनों तरफ बैरिकेडिंग भी की गई है। बताया कि नामांकन पत्रों की जांच सात मई को व नाम वापसी आठ मई को किया जा सकता है। मतदान 15 मई को सुबह आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। दोपहर एक बजे से मतगणना व मतगणना पूरी होते ही परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। उधर गंगापुर परिसर के चुनाव अधिकारी डा. लक्ष्मी नारायण ने बताया कि प्रत्याशियों को नामांकन पत्र की हार्ड कापी व अन्य प्रपत्र सात मई को सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक जमा करना है। वैध-अवैध प्रत्याशियों की सूची इसी दिन दोपहर एक बजे के बाद जारी किया जाएगा। इसी दिन दोपहर डेढ़ बजे से 2.30 बजे तक प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। मतदान 15 मई को सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक होगा।

आबादी के बीच शराब की दुकान खोलने का महिलाओं ने किया विरोध

आजमगढ़। कोतवाली क्षेत्र के बंशीबाजार गांव की महिलाओं ने गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। आबादी के बीच

खुल रही देसी शराब की दुकान को दूसरी जगह खोलने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि शराब की दुकान दबंग लोग खोलने पर उतारू हैं। इसके लिए वह आए दिन तरह-तरह की धमकी भी दे रहे हैं। शराब दुकान खुलने से गांव का माहौल खराब होगा और युवा अपने कर्तव्यों से भटकने लगेंगे। 21 अप्रैल को कुछ लोग विरोध करने वालों को भला बुरा कहते हुए तमंचा भी लहराए थे, जिससे गांव का माहौल और खराब हो गया है। महिलाओं ने जिलाधिकारी से आबादी के बीच शराब की दुकान खोलने से रोकने की मांग की है। रानी, किरन चौहान, पूजा चौहान, ममता चौहान, रिंकी, मनीषा, सुनीता गुप्ता, पुष्पा, निर्मला शर्मा, बेचनी आदि मौजूद थीं।

मुहम्मदाबाद में 275 टीमें खिलाएंगी फाइलेरिया की दवा

मुहम्मदाबाद (गाजीपुर) ।फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर गुरुवार को ब्लाक टास्क फोर्स की बैठक हुई। इस दौरान फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम पर चर्चा किया

गया। चिकित्सा अधीक्षक डा. आशीष राय ने बताया कि ब्लाक में 275 टीमों के लिए 45 सुपरवाइजर व पांच आरआरटी टीम की निगरानी में एल्बेंडाजोल और डीआइसी की गोली खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि एमडीए कार्यक्रम के तहत दो तरह की दवाएं डीईसी और एल्बेंडाजोल खिलाना है, जो दो साल से ऊपर सभी को देना है। यह दवा दो साल से नीचे के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के साथ ही गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को नहीं खिलाई जाएगी। यह बीमारी धीर-धीरे आपके शरीर पर असर दिखाती है। शुरुआत में पैर, स्तन, हाथ, मुंह सूज जाते हैं। फाइलेरिया रोग, जिसे हाथी पांव या फील पांव भी कहते हैं, इस रोग से पीड़ितों के हाथ, अंडकोष, स्तन भी सूज सकते हैं। प्रभारी सीडीपीओ एबीएसए बीसीपीएम मनीष कुमार के अलावा सहयोगी संस्था डब्लूएचओ व पीसीआई के सदस्य शामिल थे। अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी अनुराग राय व संचालन बीपीएम संजीव कुमार ने किया।

गोरखपुर में टूटने लगी रामगढ़ ताल रेलवे कालोनी कालोनी छोड़ने का दबाव बना रहे रेलवे के अफसर

गोरखपुर। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने अभी तक रामगढ़ ताल रेलवे कालोनी के व्यावसायिक विकास के लिए टेंडर तक फाइनल नहीं कर पाया है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन कर्मचारियों के लिए नया आवास भी तैयार नहीं किया है। लेकिन कालोनी के क्वार्टरों की खिड़कियां, जंगले और फाटक आदि टूटने लगे हैं। बिना सूचना के ध्वस्तीकरण देख कालोनी में रहने वाले रेलकर्मियों और उनके स्वजन दहशत में है। उनका आरोप है कि नीचे रेलकर्मियों का परिवार रह रहा है, ऊपर तोड़फोड़ शुरू है। संबंधित इंजीनियर बिना क्वार्टर आवंटित किए कालोनी छोड़ने का दबाव बना रहे हैं। दूसरी कालोनियों में जो क्वार्टर दे रहे है, वह रहने लायक नहीं है। आखिर हम कहां जाएं। कालोनी केयर कमेटी के सदस्य अतुल कुमार सिंह 25 वर्ष से परिवार सहित रामगढ़ ताल रेलवे कालोनी में रह रहे हैं। लेकिन अभी तक उन्हें दूसरा क्वार्टर नहीं मिला है। जबकि, उनके बगल वाले क्वार्टरों में तोड़फोड़ शुरू है। उनका कहना हैं कि ध्वस्तीकरण देख बच्चे डरने लगे हैं।

हेल्प डेस्क पर निरस्तारण न होने पर मामला भेजें साइबर थानाः डीआइजी

आजमगढ़। पुलिस लाइन के सभागार में गुरुवार को परिक्षेत्र स्तर पर साइबर क्राइम से निपटने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का

आयोजन किया गया। इसमें साइबर अपराध की विवेचना, साइट्रेन ट्रेनिग व साइबर हेल्प डेस्क के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस उप महानिरीक्षक अखिलेश कुमार व पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का उद्घाटन किया। डीआइजी ने कहा कि साइबर ठग प्रतिदिन ठगी के नए-नए तरीके खोज रहे हैं। ऐसे में जनजागरूकता से साइबर अपराध में कमी हो सकती है। हेल्प डेस्क व जिला स्तर पर निस्तारित न होने वाले मामलों को तत्काल परिक्षेत्र के साइबर थाना पर भेंजे। कहा कि सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को साइबर अपराध के बारे में जगह-जगह कैंप का आयोजन कर लोगों को जानकारी दें। आरक्षी मनीष सिंह ने साइबर अपराध, बैंक स्टेटमेंट, सीडीआर व सर्विलांस के इस्तेमाल के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कहा कि फर्जी वेबसाइट पर हुई जालसाजी में विवेचना, आइटी एक्ट की धारा, वित्तीय अपराधों में कौन-कौन से टूल का प्रयोग कर विवेचना की जाती है आदि के संबंध में जानकारी दी। पोर्टल पर आनलाइन शिकायत दर्ज व फ्राड का मोबाइल नंबर व बैंक एकांउट को ब्लाक करने के अतिरिक्त साइबर शिकायतों का त्वरित कार्रवाई की बारे में बताया गया। कहा कि पीड़ित फस्ट रिस्पांसर के रूप में त्वरित साइबर क्राइम हेल्प लाइन नंबर 1930 पर काल कर शिकायत रजिस्टर करा सकते हैं। तत्काल शिकायत रजिस्टर होने पर पैसे रिफंड कराए जा सकते हैं। साइबर अपराध प्रशिक्षण कार्यशाला में आजमगढ़, मऊ व बलिया के समस्त थानों से एक एसआइ, दो आरक्षी, अपराध शाखा से दो निरीक्षक व क्षेत्राधिकारी अपराध ने भाग लिया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेंद्र लाल, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सिद्धार्थ, प्रभारी साइबर थाना विमल प्रकाश राय व सीसीटीएन प्रभारी आशीष पांडेय मौजूद थे।

गोरखपुर में प्रवेश करते ही दिखेगी मेट्रो सिटी की झलक

गोरखपुर। लखनऊ से आने वाले लोगों को शहर में प्रवेश करते ही सुखद अनुभूति होगी। नौसढ़ से कालेसर तक राप्ती नदी के किनारे बांध के सुंदरीकरण के बाद शहर का यह प्रमुख प्रवेश द्वार भव्य नजर आने लगेगा। करीब छह

किलोमीटर लंबाई में पर्यटन विभाग की ओर से यह काम कराया जा रहा है। ऐसी तकनीक का प्रयोग हो रहा है, जिससे बरसात में बांध की मिट्टी कटने की समस्या दूर हो सकेगी। सड़क व बांध के बीच में पैदल चलने वालों के लिए पाथ वे का निर्माण भी किया जाएगा नौसढ़ से कालेसर के बीच राप्ती नदी के बांध की लंबाई करीब नौ किलोमीटर है। नौसढ़ से एक किलोमीटर आगे तक नगर निगम द्वारा सुंदरीकरण का काम कराया गया है। बीच में करीब दो किलोमीटर लंबाई में बांध सड़क से नजर नहीं आता इसलिए इस हिस्से को सुंदरीकरण में शामिल नहीं किया गया है। शेष छह किलोमीटर हिस्से को करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से सुंदर बनाया जा रहा है। सड़क की ओर बांध पर जियोसेल एवं जियोटेक्सटाइल के प्रयोग से मिट्टी डाली जा रही है और इसे समतल बनाया जा रहा है। इस तकनीक के प्रयोग से बारिश में बांध की मिट्टी नहीं कटेगी। सड़क व बांध के बीच एक मीटर चौड़ा पाथ वे बनाया जाएगा। पाथ वे 15 सेंटीमीटर ऊंचा होगा। पैदल चलने वाले लोगों को इससे सुविधा मिलेगी और सड़क किनारे वाहन खड़ा करने की समस्या से भी छुटकारा मिल सकेगा। इस परियोजना का ले आउट तैयार करने वाले आर्किटेक्ट मनीष मिश्र ने बताया कि सड़क व बांध के बीच पाथ वे बनने से सड़क किनारे पानी लगने की समस्या भी समाप्त हो सकेगी। बांध पूरी तरह से समतल नजर आएगा। बीच-बीच में पौधे लगाने की भी योजना है। बांध के ऊपर पांच मीटर चौड़ाई में ईंट लगाई जाएगी। इससे बांध कटान से मुक्त रहेगा।

यूपी कालेज छात्रसंघ चुनाव की आचार संहिता पर भारी पड़ा छात्रों की उमंग वोट के लिए हाथ जोड़ रहा तो कोई पैर

वाराणसी। तेज धूप, कड़ी सुरक्षा व गहमागहमी के बीच उदय प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार को छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान सुबह दस बजे से जारी है घ् सुबह 11.25 बजे तक 5080 मतदाताओं में से 1600 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। मतदान दोपहर एक बजे तक चलेगा। छात्रसंघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पुस्तकालय मंत्री के सात प्रत्याशियों का के भाग्य का फैसला शाम चार बजे तक होगा। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पुस्तकालय मंत्री पद पर सात प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पर सीधा व पुस्तकालय मंत्री पद पर त्रिकोणीय व मुकाबला है। वहीं महामंत्री व संकाय प्रतिनिधि के प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए हैं। चुनाव के दौरान परिसर के बाहर और भीतर के नजारे जुदा-जुदा हैं। भीतर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव चल रहा था तो परिसर के बाहर बाहर समर्थकों की नारेबाजी चल

रही थी। समर्थकों का हुजूम अपनी ही रौ में चुनावी उमंग से लबरेज दिख रहे हैं । मतदान के दौरान शक्ति प्रदर्शन की स्थिति यह रही कि समर्थक चुनाव आचार संहिता की अनदेखी कर रहे हैं।संहिता पर छात्रों का उत्साह भारी दिख रहा है। लिंगदोह की सिफारिशों की मंशा के विपरीत प्रत्याशियों व उनके समर्थकों ने जमकर फोटोयुक्त कार्ड हवा में उड़ा रहे हैं और नारेबाजी का भी दौर जारी है। वहीं प्रत्याशी भी अंतिम क्षण तक मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए है। कोई पैर छू रहा है तो कोई हाथ जोड़ कर मतदाताओं से अपने पक्ष में वोट देने की अपील कर रहा है। महाविद्यालय परिसर में परिचय पत्र व फीस रसीद देखने के बाद ही छात्रों को मतदान स्थल तक जाने की छूट दी जा रही थी। उधर कालेज प्रशासन समर्थकों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह जगह बैरिकेडिंग किया है। सीसी कैमरा के बावजूद चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है ।

आधी रात में सीएमओ कई अस्पतालों में धमके, ड्यूटी से गायब मिले डाक्टर

बलरामपुर (आजमगढ़) । सरकार की सख्ती के बावजूद डाक्टरों की कर्तव्य के प्रति लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। इनके ड्यूटी से नदारद होने की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए सीएमओ ने आधी रात में चेकिग की तो लापरवाही सामने आ गई। एक-दो नहीं चार अस्पतालों पर निरीक्षण हुआ, लेकिन डाक्टर ढूंढे नहीं मिले। अव्यवस्था से नाराज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आइएन तिवारी ने नदारत मिले डाक्टरों से स्पष्टीकरण तलब करते हुए कार्रवाई की बात कही है। योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में विकास को पटरी पर दौड़ाने के सौ दिन का रोडमैप तैयार किया है। मंत्रियों को भी एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे पूरा करने को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बृजेश पाठक भी कई अस्पतालों का दौरा कर नसीहतें दे चुके हैं। प्रदेश में छापेमारी व सख्ती के बावजूद डाक्टरों को लेकर शिकायतें नहीं थमी तो सीएमओ बुधवार को आधी रात में महराजगंज सीएचसी पर जा पहुंचे। वहां वार्ड में भर्ती मरीजों का हाल जाना, लेकिन उपस्थित पंजिका चेक किए तो डा.विवेक नदारत मिले। स्टाफ नर्स और वार्ड ब्याय से पूछा तो पता चला कि डाक्टर ड्यूटी पर आए ही नहीं। वार्ड में जगह-जगह गंदगी देख उनका मूड खराब हो गया। वहां से निकलकर बिलरियागंज सीएचसी पहुंचे तो प्रभारी डा. विरेंद्र गौतम ड्यूटी करते मिले, जबकि डा. सीपी राय नदारद थे। रात 12.30 बजे हरैया सीएचसी पर पहुंचे तो फार्मासिस्ट, स्टाफ थे, लेकिन डा. एन राय अनुपस्थित मिले। लाटघाट सीएचसी भी फार्मासिस्ट और वार्ड ब्वाय के सहारे चलती मिली। डा. एन राय नहीं थे, पूछने पर पता चला कि ड्यूटी पर आए ही नहीं। सीएमओ ने कहा कि औचक निरीक्षण का अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई भी जमीन पर होगी, ड्यूटी से लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जमीन पर होगी।

तेज हवाओं के साथ आई आंधी बारिश ने किसानों की नींद उड़ाई

गाजीपुर । नगर से लेकर ग्रामीण इलाके में गुरुवार की सुबह लगभग पांच बजे आई तेज हवाओं के साथ बारिश ने जहां तपती गर्मी से लोगों को राहत दी, वहीं किसानों के माथे पर चिता की लकीर खींच दी। किसानों की मड़ाई के लिए काटकर रखा गेहूं भींग गया। इससे मड़ाई का कार्य कम से कम चार से पांच दिनों के लिए बंद हो गया। किसानों को चिता है कि कही दोबारा बारिश हो गई तो उनका बड़ा नुकसान हो जाएगा। अभी खलिहान में लगभग 20 फीसद किसानों का अनाज पड़ा हुआ है। मुहम्मदाबाद : तेज आंधी के साथ बारिश होने से तापमान में गिरावट आने से लोगों ने राहत महसूस किया। बारिश के चलते खेत में काटकर रखी गई गेहूं की फसल भींग गई, वहीं चरी की खड़ी फसल खेत में लोट गई। बारिश से कीचड़ होने से बच्छलपुर पीपा पुल एप्रोच मार्ग पर लोगों को आवागमन में काफी फजीहत हुई।खानपुर : चिलचिलाती गर्मी से तप रहे वातावरण में मौसम ने अचानक करवट बदला तो ठंडी हवाओं के चलने से आसमान से बरस रही आग से काफी राहत मिली है। मौसम बदलने से तेज हवाओं के साथ कुछ देर के लिए दिन में ही अंधेरा छा गया, जिससे सड़कों पर अफरातफरी जैसा माहौल हो गया। कई स्थानों पर बारिश की बौछारें पड़ने से मौसम पूरी तरह खुशनुमा हो गया। कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां और सड़कों पर लगे बोर्ड गिर गए। जिससे बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई। पेड़ों पर लदे आम के फल असमय टूट कर गिरने से बाग मालिकों को काफी नुकसान हुआ है।

अनपरा थाना पुलिस द्वारा डीजल चोर गिरोह के दो सदस्यों को डीजल चोरी करते हुए गिरफ्तार किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

अनपरा (सोनभद्र)। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के में आज थाना अनपरा पुलिस द्वारा ककरी झूलनटाली के पास से डीजल चोर गिहोह के दो सदस्यों विजय बहादुर उर्फ दउवा पुत्र स्व0 हीरा लाल निवासी ककरी थाना अनपरा सोनभद्र व अमृत लाल यादव उर्फ दिनेश यादव पुत्र शिव नरायन यादव निवासी रेहटा थाना अनपरा सोनभद्र को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया 100 ली0 डीजल बरामद किया गया तथा उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अनपरा पर मु0अ0सं0 70/2022 धारा-379,411,414 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय भेजा गया । उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज है व ये इससे पहले भी डीजल चोरी के मामले में जेल जा चुके है।

कोयला के अवैध मंडी पर छापा, भारी मात्रा में कोयला बरामद

मीरजापुर । एसटीएफ वाराणसी की टीम ने वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग स्थित अदलहाट थाना क्षेत्र के कौडिया कला व हाजीपुर सहित अन्य स्थानों पर गुरुवार को छापा मारा। अवैध तरीके से संचालित की मिलीभगत से अदलहाट में भारी संख्या में सड़क किनारे कोयला इकट्ठा कर रखा गया है जिसे वहां के कुछ लोग बेचने का काम करते हैं। यह खेल स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से चलता है। जानकारी होते ही एडीजी के निर्देश पर एसटीएफ ने गुरुवार की देर शाम अदलहाट पहुंचकर कोयले की अवैध मंडी पर छापेमारी की। इस दौरान लाखों का कोयला जब्त किया गया। बिजली आपूर्ति में कोयले की कमी को देखते हुए शासन-प्रशासन ने कोयले की कालाबाजारी करने वाले माफियाओं पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। इसके तहत गुरुवार को यह कार्रवाई की जा गई। इसमें अदलहाट पुलिस की कार्यशैली भी संदिग्ध बताई जा रही है। मौके से कोयला लदा छह ट्रैक्टर व 10 ट्रक थाने में खड़ा कराया गया है। इससे जुड़े संदिग्ध लोगों को थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है।

की जा रही कोयले की मंडी पर जांच की। टीम की छापेमारी की खबर लगते ही कोयला व्यापारियों में हड़कंप मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे। टीम ने लाखों का कोयला जब्त कर 16 वाहन से कोयला भरवाकर थाने ले आई। वहां कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। वाराणसी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कोयला माफियाओं

नवजात को खुराक पिला मिशन इन्द्रधनुष का शुभारंभ.....

सोनभद्र । राबर्ट्सगंज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को सघन मिशन इन्द्रधनुष 4.0 अभियान के तीसरे चरण का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रमेश सिंह ठाकुर ने नवजात को दो बूंद खुराक पिलाकर किया। इस दौरान सीएमओ श्री ठाकुर ने बताया कि 0-2 वर्ष के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के संपूर्ण टीकाकरण के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा तृतीय चरण पांच से 12 मई तक सघन मिशन इन्द्रधनुष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बच्चों का समय से संपूर्ण टीकाकरण कराना आवश्यक है। जो बच्चे किसी भी कारण से पूरे टीके नहीं लगवा पाते है उनके लिए सघन मिशन इन्द्रधनुष एक अतिरिक्त अवसर है, जब हम उन्हें छूटे हुए टीके लगाकर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान कर सकते है। अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वालों को दण्डित किया जाएगा। हमें जनपद के शत-प्रतिशत बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण से आच्छादित करना है। इस महान कार्य में जनपदवासी अपना सहयोग देकर शत प्रतिशत टीकाकरण कराएं और अभियान को सफल बनाएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. गिरधारी लाल ने बताया कि बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण करके 8 जानलेवा बीमारियों टीबी, गलाघोटू काली खाँसी, टिटनेस, पोलियो, खसरा, हेपेटाइटिस बी तथा निमोनिया से हम अपने बच्चों को महफूज रख सकते है। इसके लिए समस्त ब्लाकों में छूटे हुए बच्चों का सर्वे कराकर सूची तैयार की गयी है। टीकाकरण कार्यक्रम जनपद के सभी ब्लाकों के सुदूर क्षेत्रों में 1256 सत्रों पर टीकाकरण से छूटे हुए 0-2 वर्ष के 9835 बच्चें एवं 2639 गर्भवती माताओं को 5-12 मई के मध्य उन्हें पूर्ण टीकाकृत करने की योजना तैयार की गयी है। इस मौके पर एसीएमओ डा. प्रेमनाथ, डा. सूबेदार प्रसाद, एसएमओ डा. हेमन्त अधिकारी, डा. जेपी सिंह, मो. नसीम, संजय कुमार सिंह, संदीप श्रीवास्तव, आशुतोष दत्त मिश्रा, मनोज, राकेश आदि मौजूद रहे।

राबर्ट्सगंज के पत्रकार इमरान बक्शी पर हुए हमले की पत्रकारों ने की निंदा

मीडिया फोरम आफ इंडिया न्यास के जिला अध्यक्ष ने प्रशासन से हमलावरों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। जनपद समेत देश प्रदेश में निरंतर पत्रकारों पर बढ़ते हमले एवं उत्पीड़न की घटनाओं से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अचंभित और सरकार की इस और उदासीनता पर चिंतित है। अभी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले बलिया के तीन पत्रकारों के उत्पीड़न का मामला ठंडा भी नहीं हुआ की सोनभद्र के लखनऊ से प्रकाशित एक प्रमुख हिंदी दैनिक के जिला संवाददाता मोहम्मद इमरान बक्शी पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा गोलबंद हो कर लाठी-डंडे से हमला कर घायल कर दिया गया। जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। यह बातें है गुरुवार को जनपद के वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया फोरम आफ इंडिया न्यास के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी ने कहीं। उन्होंने पत्रकारों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने और बढ़ते पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश लगाने की कार्यवाही किए जाने की मांग की है। उधर राबर्ट्सगंज के पत्रकार मोहम्मद इमरान बक्शी पर कुछ लोगों द्वारा किए गए जानलेवा हमले की घटना पर मीडिया फोरम आफ इंडिया न्यास के जिलाध्यक्ष सर्वेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक आपात बैठक कर पत्रकारों ने जिला प्रशासन से हमलावरों के विरुद्ध अभिलंब आवश्यक कार्रवाई करने मांग की है। इस दौरान पत्रकार भोलानाथ मिश्र, राकेश शरण मिश्र, राजेंद्र कुमार मानव, प्रभात सिंह चंदेल, विवेक पंकज देव पांडेय, ज्ञानदास कनौजिया,आलोक पति, राजेश द्विवेदी, नंदकिशोर, राम अनुज धर द्विवेदी, राजकुमार सिंह, संजीव श्रीवास्तव, रमेश सिंह कुशवाहा आदि पत्रकार मौजूद रहे।

दरगाह शरीफ पर चादरपोशी करने पहुंचे हजारों जायरीन

चुनार (मीरजापुर) । बाबा कासिम सुलेमानी की दरगाह शरीफ पर ईद के बाद पड़ने वाले जुमेरात (गुरुवार) को आयोजित मेले में हजारों अकीदतमंदों ने जियारत की। जायरीनों ने बाबा की दरगाह पर चादरपोशी कर दुआएं मांगी। मई की चिलचिलाती तीखी धूप के बावजूद जायरीनों का हुजूम उमड़ पड़ा। जियारत करने के बाद लोगों ने मेले का जमकर लुत्फ उठाया जनपद के अलावा वाराणसी, चंदौली, जौनपुर, आजमगढ़, सोनभद्र, प्रयागराज समेत पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से आए हजारों की संख्या में जायरीनों ने अकीदत के साथ दरगाह शरीफ पर चादरपोशी की। गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल इस दरगाह पर चैत्र महीने के पांच जुमेरात (गुरुवार) को बाबा साहब का मेला लगता है।

सीएमओ ने क्लिनिक को किया सीज, सीएचसी में दो कर्मी अनुपस्थित

मीरजापुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव सिंघल ने गुरुवार को कछवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। यहां दो कर्मचारी अनुपस्थित मिलने पर स्पष्टीकरण मांगा। इसी तरह मझवां में अवैध तरीके से संचालित हो रहे एक लैब को सील कर दिया। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि अवैध तरीके से संचालित हो रहे क्लिनिक व लैब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। कछवां थे सभी से पूछताछ की। उसी समय वार्ड में मरीजों की देखभाल करते हुए डा. आनंद सिंह, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी राकेश सिंह, वार्ड ब्वाय सर्वजीत मिले, जिस पर सीएमओ ने उनकी तारीफ की। सीएमओ ने कहा कि जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कछवां में आपरेशन की व्यवस्था चालू हो जाएगी। एक सर्जन की भी तैनाती होगी। अधीक्षक डा. सीबी पटेल से कहा कि सभी डाक्टर अपने ओपीडी में बैठकर

सीएचसी पहुंचते ही सीएमओ दवा काउंटर को चेक करने पहुंच गए। यहां दवा बेतरतीब रखा देख नाराज हो गए और निर्देशित किया कि दवा रूम में दो रैक रखा जाए। हर दवा का नाम रखने वाले स्थान पर लिखे होने चाहिए। वही मरीज को दवा देने के लिए भी दो काउंटर हो ताकि मरीज की लंबी लाइन और भीड़ न लगे। इसके बाद सीएमओ वार्ड में पहुंचे जहां सात मरीज भर्ती मरीजों को देखे। मझवां : क्षेत्र में संचालित हो रहे अवैध अस्पतालों की जांच के लिए सीएमओ संग एसीएमओ डा. बीके पंकज व सीएचसी अधीक्षक डा. सीबी पटेल, प्रभारी डा. भरत यादव पहुंचे। जमुआ बाजार में अवैध रूप से संचालित हो रहे एक लैब पर छापेमारी की। यहां संचालक द्वारा कोई कागजात न दिखाने पर सील कर दिया।

विध्यधाम में उमड़े श्रद्धालु, नवाया शीश

विध्याचल (मीरजापुर)। मुंडन व यज्ञोपवीत मुहूर्त पर गुरुवार को विध्यधाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने मां विध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाकर मंगलकामना की। गंगा घाटों पर बच्चों का मुंडन संस्कार हुआ तो विध्यवासिनी मंदिर की छत पर यज्ञोपवीत। भीड़ इतनी थी कि विध्याचल के होटल-धर्मशाला सबफुल थे मुंडन व यज्ञोपवीत मुहूर्त शुक्रवार को भी है। ऐसे में आज भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। गुरुवार को रत्न-जड़ित आभूषण, तरह-तरह के फूल-माला से मां विध्यवासिनी का श्रृंगार किया गया, जो दिव्य छटा बिखेर रही थी। भोर की मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुला तो मां विध्यवासिनी के जयकारे से विध्यधाम गुंजायमान हो उठा। कतारबद्ध श्रद्धालु मां विध्यवासिनी के दर्शन को बेताब दिखे। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मां विध्यवासिनी के दर्शन-पूजन से पहले गंगा में आस्था की डुबकी लगाई, फिर मंदिर की ओर बढ़े। कोई झांकी तो किसी ने गर्भगृह पहुंचकर मां विध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद मंदिर परिसर पर विराजमान समस्त देवी-देवताओं को नमन किया। हवन कुंड के साथ मंदिर की छत पर गुंबद की परिक्रमा की और मां विध्यवासिनी के पताका को नमन किया। गंगा घाटों पर मुंडन कराने वालों की भीड़ जुटी रही तो मंदिर की छत पर यज्ञोपवीत कराने वालों की कतार दिखी। स्थिति यह थी कि विध्याचल के होटल, धर्मशाला सब फुल हो गए थे। श्रद्धालुओं की भीड़ होने से विध्यधाम में सजी दुकानों से खूब बिक्री हुई। इससे दुकानदार खुश दिखे। दरअसल, दूर-दराज से विध्यधाम आने वाले श्रद्धालु मां विध्यवासिनी के प्रसाद स्वरूप विध्याचल के दुकानों से कुछ न कुछ सामान जरूर खरीदते हैं। मुंडन मुहूर्त पर भीड़ उमड़ने से नाई समाज भी खुश दिखा। सुरक्षा की ष्टि से अतिरिक्त पुलिस के साथ पीएसी बल की तैनाती की गई है।

दोषी गैंग लीडर निर्भय सिंह समेत चार को 2-2 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी)/ विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट आसुतोष कुमार सिंह की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए गैंगेस्टर एक्ट के मामले में दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर निभय सिंह, सक्रिय सदस्यों राम सिंह, गुलाब सिंह व 5-5 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 10-10 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी दीनानाथ सिंह को 2-2 वर्ष की कैद एवं 5-5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर 10-10 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा कोतवाल 6 नवम्बर 2002 को पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में निकले थे कि पता चला कि गैंग लीडर निभय सिंह का सक्रिय गिरोह क्षेत्र में कार्य कर रहा है। गिरोह के सक्रिय सदस्य करमा कोतवाली क्षेत्र के खैरी गांव निवासी राम सिंह, गुलाब सिंह व दीनानाथ सिंह हैं। ये लोग अपने लाभ के लिए एवं सक्रिय सदस्यों के लाभ के लिए गैर कानूनी कार्य करते हैं। इनका क्षेत्र में वर्चस्व कायम है। इनके विरुद्ध कोई भी शिकायत करने एवं गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटा पाता है। डीएम से अनुमोदन कराने के बाद गैंग चार्ट दाखिल किया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर निभय सिंह, सक्रिय सदस्यों राम सिंह, गुलाब सिंह व दीनानाथ सिंह को 2-2 वर्ष की कैद एवं 5-5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 10-10 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से शासकीय अधिवक्ता धनंजय शुक्ला ने बहस की। **चार दोषियों को १० १० वर्ष की कैद** 17 वर्ष पूर्व हत्या के प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम सोनभद्र खलीकुज्जमा की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर चार दोषियों जय सिंह, शिव प्रसाद, महेंद्र एवं सुनील कुमार सिंह को 10-10 वर्ष की कैद एवं 12-12 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राबर्ट्सगंज कोतवाली में एक अप्रैल 2005 को दी तहरीर में अशोक कुमार सिंह पुत्र देव नरायन सिंह ने आरोप लगाया था कि 3 बजे दिन में भाई राजकुमार के खेत में बगथरी खुर्द गांव निवासी जय सिंह की गाय नुकसान कर रही थी। जब राजकुमार की पतने ने कहा कि अपनी गाय क्यों नहीं बांध लेते। इतना सुनते ही जय सिंह ने गाली देते हुए लाठी-डंडे से भाई राजकुमार के कच्चा घर के खपड़ैल को तोड़-फोड़ दिया। जब शाम 7 बजे भाई राजकुमार घर पहुंचा तो बगथरी गांव निवासी जय सिंह पुत्र शिव प्रसाद व सुनील कुमार सिंह पुत्र रूप नरायन सिंह , दुरावल कला निवासी शिव प्रसाद पुत्र रामेश्वर सिंह व महेंद्र पुत्र शिव प्रसाद अपने हाथ में गड़ासा, भाला लेकर दरवाजे पर चढ़ गए और भाई राजकुमार को बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। शोरगुल की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचा तो धमकी देते हुए अभियुक्तगण भाग गए। भाई राजकुमार को गंभीर चोटें आई है। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषियों जय सिंह, शिव प्रसाद, महेंद्र व सुनील कुमार सिंह को 10-10 वर्ष की कैद एवं 12-12 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की। **पॉक्सो एक्टः दोषी रवि को 20 वर्ष की कैद** 65 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद

- 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को तीन वर्ष पूर्व भगाने का मामला
- अर्थदंड की समूची धनराशि 65 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी

सोनभद्र। तीन वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को भगाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पॉक्सो सोनभद्र की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी रवि उर्फ रविशंकर को 20 वर्ष की कैद एवं 65 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि 65 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शाहगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 17 मार्च 2019 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी जो कक्षा 7 की छात्रा है को 10/11 मार्च 2019 की भोर में 4 बजे रवि उर्फ रविशंकर पुत्र सुरेश सिंह निवासी कोलकाड़ी थाना शाहगंज बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। नात रिश्तेदारों के अलावा हर सम्भावित जगहों पर खोजबीन की, लेकिन पता नहीं चला। सूचना दे रहा हूं, आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने अपहरण एवं पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर रवि उर्फ रविशंकर के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी रवि उर्फ रविशंकर को 20 वर्ष की कैद एवं 65 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की समूची धनराशि 65 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश अग्रहरि एवं सत्य प्रकाश त्रिपाठी एडवोकेट ने बहस की।

जागरूकता के अभाव में मरीज खरीद रहे ब्रांडेड दवाएं

मीरजापुर । जनपद में जागरूकता की कमी के चलते मरीज जेनेरिक दवाओं का सेवन नहीं कर रहे हैं। डाक्टर ने जो लिख दिया, उसी कंपनी की दवा खरीदकर खाने लगते हैं। यही कारण है कि जिले में जेनेरिक दवाओं का सेवन करने वाले मरीजों की संख्या लगभग तीन प्रतिशत है। यहां के डाक्टर भी मरीजों को जेनेरिक दवाइयां खरीदने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते हैं। यही वजह है कि जन औषधि केंद्र पर नहीं जाते हैं और परिसर के बाहर के मेडिकल स्टोर से दवा खरीद लेते हैं जिले की आबादी लगभग 30 लाख के करीब है। यहां पर मरीजों की संख्या भी अधिक है। देखा जाए तो छोटे-बड़े कुल 300 सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन पांच से सात हजार के लगभग मरीज अपना इलाज कराने आते हैं। यही हाल निजी चिकित्सालयों का भी है। इसमें मंडलीय चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय, सीएचसी, पीएचसी, न्यू पीएचसी, एएनएम सेंटर आदि शामिल हैं। इसी तरह छोटे-बड़े करीब 150 निजी चिकित्सालय हैं। इसमें से मात्र तीन प्रतिशत लोगों को ही डाक्टर जेनेरिक दवाएं लिखते हैं, जो जिले के पांच जन औषधि केंद्र से खरीदकर सेवन करते हैं। सरकारी अस्पतालों के कुछ ही डाक्टर मरीजों को जेनेरिक दवाएं लिखते हैं। वहीं निजी क्लीनिक के डाक्टरों की बात की जाए तो वे खुद अपने यहां दवा का स्टोर खोले हुए हैं इसलिए मरीजों को जेनेरिक दवाएं नहीं लिखते हैं। जेनेरिक दवाओं का सेवन न करने के पीछे सबसे बड़ी बात मरीजों का जागरूक न होना है। मरीज जागरूक रहेंगे तो वे डाक्टरों से जेनेरिक दवाएं लिखने की

बात बोल सकते हैं। जनऔषधि केंद्र पर जाकर दवाएं खरीद सकते हैं। केस - एक खमहरिया निवासी पुष्कर कुमार गौतम ने बताया कि उनकी बेटी के हाथ में चोट लग गई थी। वे अपनी बेटी पायल का इलाज कराने मंडलीय चिकित्सालय आए थे। डाक्टर ने जांच कराई। इसके बाद दवाएं भी लिखी। जो कुछ जन औषधि केंद्र पर मिली तो कुछ निजी मेडिकल से खरीदनी पड़ी। केस -दो लहंगपुर निवासी गेना देवी का कहना है कि उनको दाद हो गया है, जो ठीक नहीं हो रहा था। बढ़ता ही जा रहा था। उसका इलाज कराने यहां आई थी। डाक्टर को दिखाया तो उन्होंने दवाएं लिखी। इसमें कुछ दवाएं जनऔषधि केंद्र पर मिली तो कुछ दवाएं बाहर से मिली है। केस-तीन सारीपुर निवासी सीता देवी ने बताया कि उनके गले में कई महीनों से जलन हो रही है। उसी का इलाज कराने वे मंडलीय चिकित्सालय में आई थी। जांच के लिए लिखा गया है। कुछ दवाएं भी लिखी गई। इसमें से कुछ जनऔषधि पर मिली तो कुछ बाहर के मेडिकल पर मिली है। केस -चा गोपीगंज निवासी देवी प्रसाद को पैर में चोट लगी है। वे यहां पर हड्डी के डाक्टर को दिखाने आए थे। उनका आपरेशन हुआ है। उनकी सारी दवाएं बाहर से लिखी थीं। इसमें एक भी जेनेरेकि नहीं थी। मरीजों की मांग पर लिखी जाती है ब्रांडेड दवाएं निजी व सरकारी अस्पताल के डाक्टरों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि वे चाहते है कि मरीजों को सस्ती से सस्ती दवाएं मिलें, लेकिन ऐसा नहीं होता है। कुछ लोगों के रोगों में ब्रांडेड दवाएं कारगर होती है। इसलिए उनको ब्रांडेड दवा का सेवन करने की सलाह दी जाती है जिससे उसे आराम मिल सके।

लापरवाह चिकित्सक समेत तीन से सीएमओ ने मांगा स्पष्टीकरण

सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरएस ठाकुर ने गुरुवार को राब?र्ट्सगंज नगर स्थित प्रसवोत्तर केंद्र व ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लापरवाही बरतने पर महिला चिकित्सक समेत तीन कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है। समय पर स्पष्टीकरण न देने पर उनके ऊपर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएमओ सबसे पहले प्रसवोत्तर केंद्र पहुंचे। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ठाकुर को बताया गया कि बुधवार को कुल चार महिलाओं का प्रसव कराया गया है। मौजूद महिलाओं से जब सीएमओ ने सुविधाओं के बाबत पूछताछ शुरू की तो पता चला कि उनसे प्रसव के लिए 500 रुपये की धनराशि स्टाफ नर्स द्वारा लिया गया है। करमा ब्लाक के मुबारकपुर गांव की निवासी आशु पतने ओमप्रकाश द्वारा बताया गया कि उनसे भी प्रसव के लिए 1500 रुपये की धनराशि ली गई है। राब?र्ट्सगंज ब्लाक के ओरगाई गांव की निवासी आरती ने बताया कि 2000 रुपये की धनराशि उनसे प्रसव कराने के लिए लिया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्टाफ नर्स को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो कड़ी कार्रवाई के लिए भी तैयार रहें। निरीक्षण के दौरान प्रसवोत्तर केंद्र के सामने की दीवार तथा डिलीवरी कक्ष व भवन के जर्जर स्थिति को देखते हुए इसके मरम्मत कराने का निर्देश जिम्मेदारों को दिया।

रिषभ पंत से दिल्ली के इस बल्लेबाज ने कहा मुझे 5 नंबर पर खेलने दो और फिर किया कमाल

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के तूफानी बल्लेबाज रोवमैन पावेल हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच से पहले तक किसी भी क्रम पर टीम के जरूरत के मुताबिक बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन केन की टीम के खिलाफ पावेल ने अपने कप्तान से आग्रह किया कि उन्हें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी का मौका दिया जाए। इसके बाद हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने ताबड़तोड़ पारी खेली और 35 गेंदों पर 6 छक्कों की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। वार्नर ने भी उनका खूब साथ दिया और उन्होंने भी नाबाद 92 रन बनाए और दोनों ने मिलकर दिल्ली के स्कोर को 207 रन तक पहुंचा दिया। इस मैच में दिल्ली को 21 रन से जीत मिली। पावेल ने मैच के बाद मेजबान प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैंने रिषभ पंत से कहा कि पांचवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में मुझ पर भरोसा रखें और मुझे शुरुआत करने का मौका दें। पहली 15-20 गेंदों को समझने दें। मैं इसी तरह से बल्लेबाजी करना चाहता हूं। पहली 20 गेंदों के बाद मैं उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगा।उन्होंने कहा कि आइपीएल में खेलने से पहले मुझे पता था कि मैं अच्छी फार्म में हूं। मैं जानता था कि मैंने कड़ी मेहनत की है। इस 28 वर्षीय आलराउंडर ने इंडियन प्रीमियर लीग में छठे नंबर के बल्लेबाज के रूप में शुरुआत की। इसके बाद वह दो मैचों में पांचवें नंबर पर उतरे लेकिन फिर से उन्हें छठे नंबर पर भेज दिया गया। जब उन्हें आठवें नंबर पर भेजा गया तो वह काफी निराश थे। पावेल ने कहा कि आइपीएल के शुरू में मेरे लिये थोड़ा मुश्किल था लेकिन मुझे खुद पर विश्वास था। मैंने रिषभ के साथ बातचीत की। उन्हें बताया कि मैं आठवें नंबर पर उतरने से थोड़ा निराश था। सनराइजर्स के खिलाफ पावेल ने आखिरी ओवर में लंबे शाट खेले जिससे वार्नर को शतक पूरा करने का मौका नहीं मिला। पावेल ने अंतिम ओवर को लेकर वार्नर से बातचीत के बारे में कहा कि ओवर के शुरू में मैंने उनसे कहा कि क्या आप चाहते हो कि मैं एक रन लूं जिससे आप शतक पूरा कर सको। उन्होंने कहा, सुनो क्रिकेट ऐसा नहीं खेला जाता है। आपको अधिक से अधिक लंबे शाट खेलने का प्रयास करना चाहिए और मैंने ऐसा किया।

रोहित शर्मा के इस शर्मनाक रिकार्ड की बराबरी करते हुए भी उनसे आगे निकला दिल्ली का यह ओपनर

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के 50वें मैच में हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रिषभ पंत ने अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए। इसमें से एक बदलाव टीम के ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शा का भी था जिनकी जगह मनदीप सिंह को टीम में शामिल किया गया। हैदराबाद के खिलाफ मनदीप सिंह ने डेविड वार्नर के साथ पारी की शुरुआत की, लेकिन वो 5 गेंदों का सामना करते हुए शून्य के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। मनदीप सिंह ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर विकेट के पीछे अपना कैच निकोलस पूरन को थमा बैठे। इस मैच में शून्य पर आउट होते ही मनदीप सिंह आइपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में रोहित शर्मा की बराबरी पर पहुंच गए, लेकिन इस मामले में उनके आगे निकल गए। मनदीप सिंह हैदराबाद के खिलाफ शून्य पर आउट हुए और आइपीएल में 14वां मौका था जब उनके साथ ऐसा हुआ। आइपीएल में रोहित शर्मा भी 14 बार शून्य पर आउट हुए हैं और मनदीप सिंह ने उनकी बराबरी कर ली। अब ये दोनों बल्लेबाज इस लीग में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में पहले नंबर पर हैं। वैसे मनदीप सिंह आइपीएल में 108 मैचों की 95 पारियों में 14 बार जीरो पर आउट हुए हैं तो वहीं रोहित शर्मा 222 मैचों की 217 पारियों में 14 बार शून्य पर आउट हुए हैं। अब आइपीएल में सबसे कम पारियों में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में मनदीप सिंह नंबर वन बल्लेबाज बन गए। मनदीप सिंह ने आइपीएल में अब तक 108 मैच खेले हैं और इन मैचों में 21.41 की औसत से 1692 रन बनाए हैं।

लगातार तीन हार के बाद मिली जीत को आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में भी किया गया सेलिब्रेट

नई दिल्ली। चेनन्ई के खिलाफ जीत दर्ज कर बैंगलोर ने टाप चार में जगह बना ली है। इस जीत के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम का माहौल बिल्कुल बदल-बदला सा नजर आया हो भी क्यों न लगातार 3 हार झेलने के बाद आखिरकार टीम दोबारा जीत की पटरी पर जो लौटी। फिलहाल टीम की रेस अभी पूरी नहीं हुई है क्योंकि अगर अंतिम चार में जगह बनानी है तो उसे अभी लगातार कुछ और जीत की जरुरत होगी। लेकिन चेनन्ई के खिलाफ जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में सभी खिलाड़ी बेहद खुश नजर आए। लगातार तीन हार के बाद चेनन्ई के खिलाफ मैच में टीम के ऊपर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था और उसने चेनन्ई को हराकर इस दबाव को अच्छे से पार किया और प्लेआफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को एक और मौका दिया। टीम अब 11 मैचों में 6 जीत दर्ज कर प्वाइंट्स टेबल के टाप चार में पहुंच गई है। लेकिन प्लेआफ में पहुंचने के लिए अभी और भी मैच जीतने होंगे। जीत के बाद टीम के माहौल को दर्शाते हुए आरसीबी ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें मैक्सवेल कोहली को कह रहे हैं कि वे उनके साथ बल्लेबाजी नहीं कर सकते क्योंकि वे बहुत तेज भागते हैं। आप एक और दो रन ले सकते हैं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैच की बात करें तो ग्लेन मैक्सवेल भले ही बल्लेबाजी में असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर रन आउट हो गए लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए और जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले महिपाल लोमरोर के 27 गेंदों पर 42 रन और फाफ डु प्लेसिस के 38 रनों की पारी के दम पर 173 रन बनाए। जवाब में चेनन्ई की टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद भी इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई। डेवान कान्वे के 56 रनों की पारी भी चेनन्ई को जीत नहीं दिला पाई।

दिल्ली के खिलाफ मैच में दिखा भुवनेश्वर कुमार का जलवा

नई दिल्ली। हैदराबाद और दिल्ली के बीच खेले गए मैच में दिल्ली ने हैदराबाद को 21 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली ने प्वाइंट्स टेबल में लंबी छलांग लगाई है और अब ने 5वें नंबर पर पहुंच गई है। ये मैच हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए बेहद खास रहा उन्होंने इस मैच में 4 ओवर की गेंदबाजी की और 25 रन देकर 1 विकेट हासिल किए। उन्होंने अपने 4 ओवर की गेंदबाजी में एक ओवर मेडन फेंका। इसी ओवर के साथ उन्होंने इरफान पठान के रिकार्ड की बराबरी कर ली। पठान के नाम आइपीएल में 10 मेडन फेंकने का रिकार्ड है जिसकी बराबरी भुवनेश्वर कुमार ने कर ली है दिल्ली के खिलाफ 1 मेडन ओवर फेंकने के बाद उनके द्वारा आइपीएल में मेडन ओवर की संख्या 10 हो गई है और अब वे आइपीएल में ऐसा करने वाले दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं। पहले नंबर पर प्रवीण कुमार हैं जिन्होंने 14 मेडन ओवर फेंके हैं। तीसरे नंबर पर भी भारतीय गेंदबाज इरफान पठान का कब्जा है। चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर क्रमशः लसिथ मलिंगा, संदीप शर्मा, धवल कुलकर्णी हैं जिन्होंने 8-8 मेडन ओवर फेंके हैं। 7वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज डेल स्टेन हैं जिनके नाम 7 मेडन ओवर फेंकने का रिकार्ड है। प्रवीण कुमार- 14 मेडन ओवर भुवनेश्वर कुमार- 10 मेडन ओवर इरफान पठान- 10 मेडन ओवर लसिथ मलिंगा- 8 मेडन ओवर संदीप शर्मा - 8 मेडन ओवर धवल कुलकर्णी 8 मेडन ओवर डेल स्टेन 7 मेडन ओवर मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने डेविड वार्नर के 92 और रोवमैन पावेल के नाबाद 67 रनों की पारी के दम पर 207 रन बनाए थे जवाब में हैदराबाद की टीम निकोलस पूरन के शानदार 62 रनों की पारी के बावजूद 186 रन ही बना पाई और मुकाबला 21 रनों से हार गई।

गुजरात के सामने इन खिलडियों पर होगी मुंबई को दूसरी जीत दिलाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन को मुंबई भूलना चाहेगी क्योंकि टीम अबतक केवल एक मैच ही जीत पाई है। प्लेआफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी मुंबई के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और अब टीम बस अपनी साख बचाने के लिए मैदान में उतरेगी। टीम का प्रदर्शन इस सीजन बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहद निराशाजनक रहा है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा और इशान किशन के बल्ले से रन नहीं निकले हैं तो गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह को दूसरे गेंदबाजों का साथ नहीं मिला है। मुंबई की ओपनिंग जोड़ी- मुंबई के लिए पारी की शुरुआत इशान किशन और रोहित शर्मा की जोड़ी करती है लेकिन अब तक उ?की ये जोड़ी टीम के लिए उतनी कारगर साबित नहीं हुई है जिसके लिए वो जानी जाती है। इशान किशन के बल्ले से शुरुआती कुछ मैचों में जरूर रन निकले हैं लेकिन बाद में उनका बल्ला खामोश ही रहा है। इस मैच में दोनों के ऊपर अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। मुंबई का मध्यक्रम- मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन टीम को जीत दिलाने के लिए ये काफी नहीं रहा है। उनके अलावा पिछले मैच में टिम डेविड ने अच्छी बल्लेबाजी की थी लेकिन कीरोन पोलार्ड का न चल पाना टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। मुंबई की गेंदबाजी- मुंबई की गेंदबाजी इस सीजन जसप्रीत बुमराह के आस-पास ही रही है। पिछले मैच में डेब्यू करने वाले कुमार कार्तिकेय ने भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। स्पिन में टीम के पास ऋतिक शौकीन के रूप में युवा गेंदबाज है जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। इसके अलावा टीम में रिले मेरेडिथ और डेनियल सैम्स का भी विकल्प है। रोहित शर्मा(कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, टिम डेविड, कीरोन पोलार्ड, ऋतिक शौकीन, डेनियल सैम्स, जसप्रीत बुमराह, कुमार कार्तिकेय, रिले मेरेडिथ।

मुंबई के सामने इन खिलाडियों पर होगी गुजरात को जीत दिलाने की जिम्मेदारा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में शानदार फार्म में चल रही गुजरात की टीम अब तक केवल 10 मैचों में 2 मैच हारी है और वे 16 अंकों के साथ नंबर वन पर बनी हुई है। टीम लगभग प्लेआफ में पहुंच चुकी है और यदि मुंबई के खिलाफ मैच में उसे जीत हासिल होती है तो प्लेआफ में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। कप्तान हार्दिक पांड्या सामने से टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने टीम के लिए कुछ अच्छी पारियां भी खेली है गुजरात की ओपनिंग जोड़ी- टीम में ओपनिंग की जिम्मेदारी शुभमन गिल और रिद्दिमान साहा के कंधों पर है। पिछले मैच की बात करें तो ये जोड़ी पूरी तरह से असफल रही थी जिसका खामियाजा टीम को हार के साथ भुगतना पड़ा था। साहा ने 21 तो गिल ने 9 रन की पारी खेली थी। इस मैच में दोनों के कंधों पर अच्छी शुरुआत की जिम्मेदारी होगी। टीम को एक बार फिर से गिल से अच्छी पारी की उम्मीद होगी।गुजरात का मध्यक्रम- मध्यक्रम में साई सुदर्शन, हार्दिक पांड्या, डेविड मिलर और राहुल तेवतिया के रूप में अच्छे बल्लेबाज मौजूद हैं। गुजरात के लिए खास बात ये है कि हर मैच में टीम के लिए एक अलग हीरो निकलकर सामने आता है। राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के रोल में अच्छा काम कर रहे है।गुजरात की गेंदबाजी- तेज गेंदबाजी की बात करें तो टीम में मोहम्मद शमी, लाकी फर्ग्यूसन, और प्रदीप सांगवान है जिन्होंने अच्छी वापसी की है। स्पिन गेंदबाजी के रूप में टीम के पास राशिद खान जैसा मंझा हुआ गेंदबाज है जो किसी भी ओवर में मैच का रूख पलट सकता है।शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), साईं सुदर्शन, हार्दिक पांड्या(कप्तान), डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अल्जारी जोसेफ, प्रदीप सांगवान, लाकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी।

उमरान मलिक ने डाली इस आइपीएल की सबसे तेज गेंद

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले उमरान मलिक का दबदबा नए सीजन में भी जारी है। गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भले ही उनको जमकर रन पड़े हो लेकिन रफ्तार कम नहीं हुई। उन्होंने इस सीजन की सबसे तेज रफ्तार गेंद डाली। दिल्ली के खिलाफ उनकी एक गेंद की रफ्तार 157 किलो मीटर प्रतिघंटा मापी गई। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आइपीएल मैच में 20वें ओवर की चौथी गेंद 157 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी, जो इस आइपीएल की सबसे तेज गेंद है और आइपीएल इतिहास की दूसरी सबसे तेज गेंद है। इस सत्र की सबसे तेज गेंद फेंकते हुए उमरान ने अपना ही रिकार्ड तोड़ा। उन्होंने इससे पहले चेनन्ई सुपरकिंग्स के खिलाफ 154 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से सबसे तेज गेंद की थी, जो इस मैच से पहले तक इस सत्र का रिकार्ड था। गुरुवार को दिल्ली के खिलाफ उन्होंने जो रिकार्ड तेज गेंद डाली उससे ठीक पहले की गेंद उन्होंने 154 किमी प्रतिघंटे और उसके बाद की गेंद 156 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से भी फेंकीं। उमरान का सपना 155 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद डालने था, जो उन्होंने पूरा कर लिया है। आइपीएल में सबसे तेज गेंद डालने का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के शान टेट के नाम है जिन्होंने 2011 में 157.71 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। दिल्ली के खिलाफ हैदराबाद की टीम को 21 रन से हार का सामना करना पड़ा। टास जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने वाली टीम के सामने दिल्ली ने डेविर वार्न के नाबाद 92 और रोवमैन पावेल के तूफानी 67 रन की बदौलत 207 रन का स्कोर खड़ा किया। हैदराबाद की टीम ने जवाब में 8 विकेट पर 186 रन बनाया और लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

हैदराबाद के हार के बाद प्वाइंट्स टेबल में आया बदलाव, गुजरात अब भी टाप पर बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में लगभग सभी टीमों ने 9 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। अब टाप चार की तस्वीर थोड़ी थोड़ी साफ होती नजर आ रही है। 8 लगातार हार के बाद आखिरकार मुंबई के जीत का खाता भी खुल गया। गुजरात, लखनऊ और राजस्थान की टीमें टाप 4 में बनी हुई है। गुजरात की टीम लगातार दो हार के बावजूद टाप पर बनी हुई है। 10 मैच में 8 जीत से टीम के 16 अंक है और वह प्लेआफ में लगभग जगह बना चुकी है। दूसरी नई टीम लखनऊ दूसरे नंबर पर है। टीम 10 मुकाबलों में 7 जीत के साथ 14 अंक लेकर टीम दूसरे नंबर पर है। राजस्थान की टीम के पास 10 मैच के बाद 6 जीत के 12 अंक है और टीम तीसरे नंबर पर है। आरसीबी ने चेनन्ई को हराकर टाप चार में जगह बना ली है। टीम अब 12 अंकों के साथ चौथे नंबर पर है। दिल्ली ने हैदराबाद को 21 रनों से हराकर प्वाइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर जगह बना ली है। अब दिल्ली के पास 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक है। दिल्ली की इस जीत के बाद हैदराबाद की टीम नीचे खिसक गई है। टीम अब छठे नंबर पर है और उसके खाते में भी 10 अंक है। 7वें नंबर पर पंजाब किंग्स की टीम है। 10 मैचों में 5 जीत के साथ टीम अभी भी प्लेआफ की दौड़ में है। 8वें नंबर पर कोलकाता की टीम है जो 10 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज कर पाई है और प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर निकल चुकी है। 9वें और 10वें नंबर पर आइपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीमें चेनन्ई और मुंबई है। चेनन्ई तीन जीत तो मुंबई अब तक केवल एक जीत दर्ज कर पाई है।

राशिफल

मेष-:आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति की कमी महसूस होगी जो आज आपके साथ नहीं है। आपके खर्चे बढ़ेंगे, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो

वृष-:आज आपके विचार और वाणी पर संयम रखना होगा। आमदनी में सुधार होगा। मौज-मस्ती और मनोरंजन की प्रवृत्ति दिन भर बनी रहेगी। आप गुस्से के शिकार हो सकते है।

मिथुन-:आज का दिन व्यापार के दृष्टिकोण से उत्तम रहेगा। नई डील से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। आज आपके मन में नए विचार उठेंगे।

कर्क-:मनोरंजन और सुंदरता पर जरूरी समय से ज्यादा खर्च न करें। पारिवारिक कार्यक्रम में आप सभी के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा बना रहेगा ।

सिंह-:आज आपको आलस्य और थकान का अनुभव होगा। फालतू की बातें करने से बचें और अपने रिश्ते को और मजबूत बनाने की कोशिश करें। आपके प्रियजन का मूड भी खराब हो सकता है।

कन्या-:आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ आपकी कंपनी का सौदा तय हो सकता है। खेल में रुचि रखने वाले इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन।

तुला-:बड़ी योजनाओं और विचारों के माध्यम से कोई आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए नए कार्य की शुरुआत के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में आप लगातार प्रगति करेंगे। आपको लंबे समय से चल रहे दुखों और परेशानियों से छुटकारा मिल।

धनु-:आज का दिन आपके लिए शुभ फल लेकर आया है। सोच-समझकर ही आज कोई फैसला लें। किसी और के द्वारा लिया गया फैसला आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

मकर-:आज आपको महत्वपूर्ण निणय्य लेने हैं, जिससे आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक लेन-देन करते और बोलते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

कुंभ-:आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। व्यापार में तरक्की के योग हैं। दांपत्य जीवन में प्रेम दिन पर दिन बढ़ेगा।

मीन-:आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

हिंदी को कोसने की बुरी आदत, दक्षिण में हिंदीभाषियों को बनाया जाता है बेवजह निशाना

क्षमा शर्मा। क बार फिर हिंदी के साथ-साथ हिंदी वालों की पिटाई चालू है। आखिर हिंदी या हिंदी वालों ने दक्षिण या फिर अन्य क्षेत्र की किस भाषा का कब अपमान किया और किसे अपने मुकाबले दोयम दर्जे का कहा, लेकिन जब देखो तब, कभी चुनाव के मौके पर, कभी किसी मामूली सी बात पर हिंदी को कोसने, दुरदुराने और भला-बुरा कहने का नफरत भरा सैलाब आ जाता है। जब ऐसा होता है तब जो हिंदी के चलते अपनी रोजी-रोटी कमा सके, लेखक बन सके, बुद्धिजीवी, कलाकार कहलाए, वे लंबा मौन धारण कर लेते हैं। कोई बताएगा कि कब किस हिंदी भाषी राज्य में भाषा को लेकर दंगे हुए, जबकि दक्षिण में जिस तरह जब चाहे तब हिंदी भाषियों को खदेड़ा जाता है, लेकिन उनके अनुसार हिंदी वाले पिछड़े हुए हैं। उनकी कोई संस्कृति नहीं है। वे हिंदी साम्राज्यवाद दक्षिण पर लादना चाहते हैं। वे हिंदी भाषी जो 55 करोड़ हैं, उनकी दुर्गति ऐसी है कि कोई भी उन्हें आंखें दिखाकर चलता बनता है। हिंदी वाले चारों तरफ से लांछित होते हैं और इस डर से कि कोई उन्हें पिछड़ा न कह दे, चुप लगा जाते हैं। यह केशवचंद्र सेन या महात्मा गांधी का जमाना नहीं, जो अहिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी के महत्व को स्वीकार करते थे। यह तो वह जमाना है कि बंगाल में एक डाक्टर ने बांग्ला न जानने के कारण एक महिला से कहा कि वह बिहार में जाकर ही अपना इलाज कराए। क्या अब डाक्टर, इंजीनियर तभी कोई काम करेंगे, जब उनका क्लाइंट उनकी ही भाषा बोलेगा? एक बार मशहूर लेखिका आशापूर्णा ने कहा था कि जब उनकी पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में हुआ, तभी उन्हें असली पहचान मिली। यही कहानी अन्य भाषा के दूसरे लेखकों की भी है। दरअसल डर हिंदी से नहीं, उसके संख्या बल से है। उसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और उसके बड़े बाजार से है। यह कितना दिलचस्प है कि हिंदी वाले की जेब में दक्षिण के लोगों का हाथ तो घुसा होना चाहिए, हिंदी क्षेत्र के बाजार का लाभ भी उन्हें मिलना चाहिए, लेकिन न हिंदी चाहिए, न हिंदी वाले। अक्सर यह कहा जाने लगता है कि यदि हिंदी की बात तक की तो देश टूट जाएगा। भई वाह, आपकी भाषाओं की बात होती रहे, तब किसी हिंदी वाले को यह खतरा नहीं महसूस होता कि देश टूटने वाला है, लेकिन जैसे ही हिंदी की बात होती है, तो देश टूटने की धमकियां सी दी जाने लगती हैं। लगता है इस देश की अखंडता को बचाने की सारी जिम्मेदारी बस हिंदी वालों और हिंदी क्षेत्र की है। यदि आपको अपनी भाषा पर गर्व है तो यह गर्व किसी हिंदी वाले को क्यों नहीं होना चाहिए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया फिर से हिंदी विरोध में आ डटे हैं। पिछली बार जब कर्नाटक की एक मेट्रो ट्रेन में कनड़ और अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी स्टेशनों के नाम लिखे जा रहे थे तो उन्होंने इसका जमकर विरोध किया था। वह कांग्रेसी हैं, लेकिन कांग्रेस कभी उनकी बातों का विरोध नहीं करती। क्या इसी तरह से यह दल उत्तर भारत में अपनी खोई जगह फिर से बना सकता है? एक बार जब मैसूर में उत्तर भारतीय यात्रियों की सुविधा के लिए रास्तों के नाम हिंदी में लिखने की कोशिश की गई थी, तब भी उसका विरोध हुआ था। वास्तव मे हिंदी तो उस गरीब की जोरू है, जिसे किसी न किसी बहाने हर बार पिटना है। आखिर अजय देवगन ने क्या गलत कहा कि जब हिंदी से इतनी नफरत है तो अपनी फिल्में हिंदी में डब क्यों करते हो? भाषा के नाम पर घृणा भी फैलाएंगे और चाहेंगे कि न केवल पूरे भारत में छा जाएं, बल्कि ग्लोबल भी हो जाएं। आप कौन होते हैं, हमें पीटने वाले। आप भूल जाते हैं कि बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय लोग हिंदी भाषी क्षेत्रों में काम करने आते हैं। यदि आपकी बातों पर हिंदी के लोग आपकी ही तरह नाराज होने लगें तो? जब अजय देवगन के पक्ष में खड़े होने वाले नहीं दिख रहे, तब जाने-माने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने एक बातचीत के दौरान खुलकर हिंदी का पक्ष लिया। जब उनसे पूछा गया कि अगर बालीवुड में तीन चीजें बदलनी हों, तो वे क्या बदलना चाहेंगे। इस पर नवाज ने कहा कि पहले तो मैं बालीवुड का नाम बदलकर 'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री' रखूंगा। दूसरा यह कि जो स्क्रिप्ट रोमन में आती है, उसे याद करना मुश्किल होता है, इसलिए मैं देवनागरी में स्क्रिप्ट की मांग करूंगा। तीसरी बात यह कि जब फिल्म हिंदी में बन रही हो ।

विश्व के किसी भी लोकतंत्र में ऐसा कानून नहीं जो जनप्रतिनिधियों को अपने दल का बंधक बना दे

हाल में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने दलबदल निरोधक कानून में संशोधन का आह्वान किया। 1985 में संविधान में दसवीं अनुसूची जोड़ दलबदल निरोधक कानून बनाया तो गया, लेकिन उससे अभीष्ट की अपेक्षित पूर्ति न हुई। परिणामस्वरूप सरकारें गिरती-बनती रहती हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के 22 विधायकों के दलबदल से कमलनाथ की 15 माह पुरानी सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। 2019 में गोवा में कांग्रेस और सिक्किम में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के 15 में से 10 विधायकों ने अपनी-अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर लिया था। राजस्थान में बसपा के सभी छह विधायक कांग्रेस में चले गए। यह क्रम चलता रहता है। जब दलबदल की समस्या जस की तस कायम है तो फिर दलबदल निरोधक कानून का क्या औचित्य? उलटे इससे जनप्रतिनिधियों की विधायी सदनों में अपने दल के विरुद्ध आवाज उठाने की स्वतंत्रता चली गई। विपक्षी दलों से समर्थन लेने का अवसर खत्म हो गया। विपक्षी सदस्यों द्वारा सरकार के अच्छे कानूनों को समर्थन देने की गुंजाइश समाप्त हो गई। लोकतंत्र एक यांत्रिक व्यवस्था में जकड़ गया। विश्व के किसी भी लोकतंत्र में ऐसा कानून नहीं जो जनप्रतिनिधियों को अपने दल का बंधक बना दे। इंग्लैंड में पार्टी व्हिप के विरोध पर दल की सदस्यता चली जाती है, लेकिन संसद की सदस्यता नहीं जाती। आस्ट्रेलिया में भी पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने पर सदस्यता समाप्त नहीं होती। हालांकि ऐसी स्थिति में सांसद से त्यागपत्र की अपेक्षा की जाती है। दलबदल एक राजनीतिक समस्या है और उसके विधिक समाधान की अपेक्षा करना विवेकसम्मत नहीं। राजनीतिक समस्या का राजनीतिक समाधान ही हो सकता है। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी राजनीतिक संस्कृति को सुधारना होगा। दल अपने सदस्यों को विचारधारा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दें। उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में सजग किया जाए। योग्य एवं प्रतिबद्ध लोगों को राजनीति से जोड़ने पर भी जोर देना होगा। सैद्धांतिक आधार पर दलबदल में कोई समस्या नहीं। इंग्लैंड में प्रधानमंत्री बोरिस जानसन की कंजरवेटिव पार्टी के 38 सदस्यों ने 'ब्रेक्सिट' पर सरकार के विरुद्ध मतदान किया था। अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के कुछ सदस्यों ने अपने-अपने दल की लीक से हटकर मतदान किया था। दरअसल 1967 में 'कांग्रेस सिस्टम' टूटने की शुरुआत से राज्यों में गंभीर राजनीतिक अस्थिरता आई थी, लेकिन आज लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं। दलबदल से उत्पन्न अस्थिरता के निदान के

लिए हम जर्मनी का 'रचनात्मक अविश्वास प्रस्ताव' माडल अपना सकते हैं, जिसके अनुसार संसद 'फेडरल चांसलर' को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा तभी हटा सकती है, जब वह बहुमत रखने वाले किसी दूसरे चांसलर को भी चुने। इससे वहां एक सरकार गिरती है तो तुरंत ही दूसरी कार्यभार संभाल लेती है। यही व्यवस्था स्पेन, हंगरी, इजरायल, पोलैंड और बेल्जियम आदि देशों में है। अक्सर राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियां अपनी सरकार के स्थायित्व के लिए विधायकों को किसी 'रिसोर्ट' या 'आलीशान होटल' में बंधक बनाकर रखती हैं। राजस्थान में 2020 में, कर्नाटक में 2019 में और तमिलनाडु में 2017 में ऐसे ही नजारे देखने को मिले। क्या इसे कोई भी संवैधानिक या विधिक व्यवस्था रोक सकती है? वर्तमान कानून में दलबदल की अवधारणा को लेकर भी विवाद है। दलबदल कानून में स्वेच्छा से पार्टी छोड़ने या 'दलीय व्हिप' का उल्लंघन करने को दलबदल माना गया। जबकि दल विभाजन (एक-तिहाई सदस्यों द्वारा) या पार्टी विलय (दो-तिहाई सदस्यों द्वारा) को दलबदल नहीं माना गया। हालांकि 2003 में 91वें संविधान संशोधन द्वारा 'दल विभाजन' को भी दलबदल मान लिया गया, जिससे छोटे दलों में दल विभाजन के माध्यम से दलबदल पर रोक लग सके। दलबदल कानून की प्रक्रिया पर भी विवाद है। मसलन किसी दल के सदस्य द्वारा दलबदल किए जाने पर पीठासीन अधिकारी उसका स्वतः संज्ञान नहीं ले सकता। वह तभी उस पर कोई दंडात्मक कार्यवाही कर सकता है, जब उसका दल इस संबंध में कोई अर्जी लगाए। पीठासीन अधिकारी द्वारा निणय को लेकर किसी समयसीमा का भी प्रविधान नहीं। बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी को कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा आदेश दिया गया कि वह एक निश्चित तिथि तक मुकुल राय के दलबदल पर निणय दें, जो 2021 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा छोड़ तृणमूल में शामिल हो गए थे। 2020 में सवीच्च न्यायालय ने मणिपुर के एक मंत्री को अपदस्थ कर दिया, क्योंकि विधानसभा के अध्यक्ष ने तीन वषो के बाद भी उनके दलबदल पर कोई निणय नहीं दिया।दलबदल निरोधक कानून के कारण विधायिका और न्यायपालिका का संतुलन भी बिगड़ गया। 'किहोतो होलोहन बनाम जाचिल्हू' मामले (1992) में सवीच्च न्यायालय ने दलबदल निरोधक कानून के 'पैरा सात' को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिससे दलबदल पर संसद और विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों के आदेश न्यायिक पुनर्निरीक्षण के दायरे में आ गए। इससे बेहतर यही रहता कि चुनाव आयोग की 'आदर्श आचार संहिता' में ही प्रविधान होता कि प्रत्येक प्रत्याशी शपथपत्र दे कि निर्वाचित होने के बाद वह अपने दल के प्रति निष्ठावान रहेगा और दलबदल नहीं करेगा। नैतिक निष्ठाएं संभवतः विधिक निष्ठाओं से ज्यादा प्रभावी होतीं। दिनेश गोस्वामी समिति ने केवल 'अविश्वास प्रस्ताव' पर ही दलबदल निरोधक कानून लागू करने की संस्तुति की थी। उसके अनुसार पीठासीन अधिकारियों से दलबदल याचिकाओं पर निणय का अधिकार खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि वे दलगत आधार पर निणय करते हैं। चुनाव आयोग इस पर अपना नियंत्रण चाहता है। कुछ लोग इसका अधिकार संघ में राष्ट्रपति और राज्यों में राज्यपाल को देना चाहते हैं।

मोदी सरकार को लेकर पक्ष-विपक्ष में आए सेवानिवृत्त अधिकारियों से वाद-विवाद के बजाय संवाद की जरूरत

प्राचीन काल से ही भारत की बौद्धिक परंपरा में संवाद पर विशेष जोर दिया गया है। सत्य अन्वेषण की इस प्रक्रिया ने हठधर्मिता को कभी स्वीकार नहीं किया। यहां तर्क एवं प्रश्नें को प्राथमिकता मिली, जिन्होंने निष्कषों पर पहुंचने में मार्गदर्शन दिया। इस मार्ग में तल्ख शब्दों, निजी हमलों के लिए कोई जगह नहीं थी। इतना ही नहीं, संदिग्ध मंशा वाले विरोधियों पर भी पलटकर हमले की परिपाटी नहीं रही। दुखद है कि यह महान परंपरा अब करीब-करीब विलुप्त हो गई है। इसके लिए हमारी राजनीतिक बिरादरी जिम्मेदार है, जो अब शायद ही कोई सार्थक विमर्श करती है। इसके बजाय वह राजनीतिक विरोधियों को कड़ाई से आड़े हाथों लेती है। उनकी देशभक्ति एवं राष्ट्रवाद पर प्रश्न खड़े करती है। इससे भी दुखद स्थिति यह है कि अब कुछ सेवानिवृत्त नौकरशाह, न्यायाधीश और सैन्य अधिकारियों ने भी संवाद की राह को त्याग दिया है। वे अब समूह बना रहे हैं। फिर सामूहिक रूप से किसी दल का समर्थन करते हैं और किसी का विरोध। कांस्टीट्यूशनल कंडक्ट ग्रुप (सीसीजी) नाम से सेवानिवृत्त अधिकारियों का ऐसा ही एक समूह पिछले कुछ वर्षों से अस्तित्व में है। यह समूह पूरी तरह से मोदी सरकार और उसकी विचारधारा का विरोधी है। दूसरी ओर कनसर्न्ड सिटिजंस ग्रुप है। दोनों में से कोई भी सत्यापन योग्य तथ्यों पर शांतिपूर्वक चर्चा के लिए तत्पर नहीं। दोनों ही पक्ष आक्रोश एवं भावनाओं से आवेशित है। ऐसा करके ये समूह न केवल प्राचीन भारतीय बौद्धिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिकार कर रहे हैं, बल्कि उनका यह आचरण उन मूल्यों के विरुद्ध भी है, जिनकी अपेक्षा लोक सेवक, राजनयिक, न्यायाधीश और सैन्य अधिकारी के रूप में उनसे की गई। इन पेशों से जुड़े लोगों को हमेशा मर्यादा और गरिमा के दायरे में रहना चाहिए, जो उनकी भाषा में भी व्यक्त होना चाहिए। उनके सेवाकाल में यह आवश्यक था, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी जारी रहना चाहिए था। सीसीजी ने मोदी सरकार की उन नीतियों के खिलाफ कई पत्र लिखे है, जो उसकी नजर में खराब रहीं। इसी कड़ी में उसने 26 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में सीसीजी ने भाजपा शासित राज्यों पर अल्पसंख्यक विरोध विशेषकर मुस्लिम विरोधी नीतियां अपनाने का

आरोप लगाया है। इससे भी बढ़कर यह आरोप है कि ये सरकारें संवैधानिक सिद्धांतों को दरकिनार कर बहुसंख्यक केंद्रित एजेंडा चला रही हैं। उन्होंने यहां तक कहा है कि इन राज्यों का प्रशासनिक अमला अल्पसंख्यकों के खिलाफ पक्षपातपूर्ण नीतियों के माध्यम से उन्हें निरंतर डराने में लगा हुआ है। कुछ राज्यों में बीते दिनों घटित दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण सांप्रदायिक हिंसक घटनाओं के पीछे सीसीजी ने राजनीतिक नेतृत्व की मंशा पर भी एक प्रकार से संदेह व्यक्त किया है। यदि ऐसा है तो क्या सीसीजी को इस प्रकार की कोई अटकलबाजी करनी चाहिए हालांकि, यह अनुमान लगाकर उसने यही व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकारें ऐसी घटनाओं के अनुकूल परिवेश तैयार कर रही है। सीसीजी ने माना है कि अतीत में भी सांप्रदायिक टकराव हुए है, लेकिन उसका आरोप है कि अब देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का एक 'विशेष सांचा' तैयार किया जा रहा है। इस प्रकार भारत की सबसे महान सभ्यतागत विरासत के प्रतीक सामाजिक तानेबाने को बिगाड़ा जा रहा है। यह सब लिखकर सीसीजी ने मोदी से आह्वान किया कि वह नफरत की राजनीति के खिलाफ कुछ बोलें। इसके जवाब में कनसर्न्ड सिटिजंस ग्रुप ने सीसीजी के सदस्यों पर ऐसा एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है, जो केवल भारत विरोधी लाबी की मदद करेगा। उसका कहना है कि यह पत्र मोदी-विरोध का ही एक और प्रयास है। इस समूह ने यह भी आरोप लगाया कि सीसीजी का रुख भी बहुत सुविधावादी है और उसने गैर-भाजपा शासित राज्यों में राजनीतिक हिंसा को अनदेखा किया है। कनसर्न्ड सिटिजंस ग्रुप ने सीसीजी से कहा कि वह अपने पूर्वाग्रह त्यागकर भ्रामक प्रचार के बजाय किसी कारगर समाधान की दिशा में मंथन करे। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनसर्न्ड सिटिजंस ग्रुप ने सीसीजी सदस्यों के खिलाफ निजी हमले भी किए। इससे बचा जाना चाहिए था, क्योंकि यह संवाद की गुंजाइश को कमजोर करता है। उसने सुझाव दिया है कि राष्ट्र अपने सेवानिवृत्त लोक सेवकों से जो अपेक्षा करता है, उन्हें उसकी पूर्ति करनी चाहिए। अपने सेवाकाल में इन लोगों से निष्पक्ष बने रहकर संवैधानिक दायरे में अपने कर्तव्य पूर्ति की अपेक्षा की जाती है। सेवानिवृत्ति के उपरांत ऐसे लोगों को अपने राजनीतिक एवं वैचारिक विचारों की अभिव्यक्ति का पूरा अधिकार है, परंतु राष्ट्र की उनसे यही अपेक्षा हो सकती है कि वे रचनात्मक एवं सकारात्मक रवैये के साथ राष्ट्रीय हितों को भी ध्यान में रखें। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर सादगी और गंभीरता से अपने विचार व्यक्त करने चाहिए। उनका ऐसा रवैया आरोप-प्रत्यारोप से कहीं अधिक श्रेयस्कर होगा। जब देश वैचारिक एवं राजनीतिक टकराव से जूझ रहा हो तब ऐसी रणनीति और आवश्यक हो जाती है। यह ऐसा समय है जब राष्ट्र बाहरी चुनौतियों से भी जूझ रहा है।

राजस्थान में पहले करौली और अब जोधपुर की हिंसा से राज्य सरकार कठघरे में.....

राजस्थान में पहले करौली और अब जोधपुर की हिंसा ने पूरे देश में चिंता उत्पन्न की है। जोधपुर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृहनगर भी है। वह कह रहे हैं कि उन्होंने संपूर्ण जीवन पंथनिरपेक्षता की रक्षा के लिए लगाया है। आखिर ऐसी सफाई देने की नौबत आई क्यों? गहलोत और उनके समर्थकों की नजर में पंथनिरपेक्षता का अर्थ क्या है, इसे भी उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। करौली में नव संवत्सर के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा पर हमले के बाद की कार्रवाई में निष्पक्षता अभी तक नहीं दिखी। अगर करौली की घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने पूरी सख्ती दिखाई होती, शोभा यात्रा पर हमले के दोषी पकड़े जाते तो शायद जोधपुर की हिंसा देखने को नहीं मिलती। करौली हिंसा का पूरा सच सामने था, लेकिन सरकार भाजपा पर आरोप लगाने में ज्यादा शक्ति खर्च करती रही। सरकार ने मजहबी कट्टरपंथी तत्वों पर थोड़ा भी फोकस किया होता तो तस्वीर दूसरी होती। वास्तव में करौली हिंसा पूरे राजस्थान में सतह के अंदर व्याप्त स्थिति का एक प्रकटीकरण मात्र थी। निश्चय ही इसके बाद सरकार ने खुफिया रपटों का अध्ययन किया होगा। यह संभव नहीं कि एक ही दिन ईद और परशुराम जन्मोत्सव होने के कारण तनाव, हिंसा आदि की आशंका खुफिया रपटों में न हो। इसे ध्यान में रखते हुए संवेदनशील स्थानों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था एवं हिंसा रोकने संबंधी कदम उठाए जाने

चाहिए थे, लेकिन जोधपुर की घटना बताती है कि ऐसा नहीं किया गया। करौली और जोधपुर के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में शोभा यात्रओं पर हुए हमलों ने यह साफ कर दिया है कि बड़ी संख्या में भारत विरोधी तत्व सांप्रदायिक हिंसा फैला कर देश की एकता को बाधित करना चाहते हैं। पकड़े गए लोगों से पूछताछ के बाद कई ऐसे तथ्य सामने आ रहे हैं, जो भय पैदा करते हैं। करौली की घटना के बाद गहलोत सरकार की जिम्मेदारी थी कि पूरी स्थिति की समीक्षा कर नए सिरे से सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करती। उसने ऐसा नहीं किया। जोधपुर में परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकालने की घोषणा हो चुकी थी। तय मार्ग पर यात्र के आयोजकों ने जगह-जगह भगवा झंडे लगाए थे। चूंकि प्रशासन ने शोभा यात्र की अनुमति दी थी, इसलिए यह जिम्मेदारी उसकी ही थी कि कहां झंडे लगेंगे और कहां नहीं? यदि आरंभ में उसने शर्त लगाई होती कि कहीं झंडे नहीं लगेंगे तो नहीं लगते। हालांकि बाद में प्रशासन ने यात्र के आयोजकों से बात कर ज्यादातर जगहों से भगवा झंडे हटवा दिए। बड़ी संख्या में लगे होने के कारण दो-चार झंडे छूट जाना अस्वाभाविक नहीं था। उन्हीं में से एक स्थान जालौरी गेट पर स्वतंत्रता सेनानी बालमुकुंद बिस्सा की प्रतिमा वाला सर्किल था। यहां आधी रात के बाद कुछ मुस्लिम युवक आए। उन्होंने भगवा झंडा उतार कर फेंक दिया और उसकी जगह चांद सितारे बने झंडे लगाने लगे। इसका विरोध होना ही था। झंडा लगाने वालों ने विरोध का जवाब हमले से दिया। उन्होंने न केवल झंडे लगाए, बल्कि प्रतिमा के मुंह पर कथित तौर पर टेप भी लगा दिया। सच जो भी हो, इससे तनाव बढ़ा। यहां पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए थी। इस घटना के दूसरे दिन जो कुछ हुआ, उसे हर दृष्टि से उपद्रवियों के बढ़े मनोबल और पुलिस की कमजोरी का ही परिणाम माना जाएगा। ईद की नमाज के बाद धार्मिक नारे लगने लगे। अनेक हाथों में तलवारें लहराने लगीं। इसके साथ पत्थरबाजी शुरू हो गई। एक युवक को चाकू घोंप दिया गया। अनेक वाहनों को तोड़ा गया। इस तरह की हिंसा का मतलब है कि पहले से तैयारी थी। स्थानीय भाजपा विधायक सूर्यकांता व्यास के घर पर हमला हुआ और मोहल्ले में तेजाब की बोतलें तक फेंकी गईं। स्थिति बिगड़ने पर कफ्यरू लगाना पड़ा। सामान्यतः त्योहारों के पूर्व प्रशासन शांति और एकता समितियों की बैठक करता है। खुफिया इनपुट के आधार पर हर स्तर की सुरक्षा तैयारी होती है। आवश्यकता पड़ने पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया जाता है। ऐसा राजस्थान में देखने को नहीं मिला। ध्यान रहे कि कहीं पर भी पुलिस प्रशासन राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश के अनुसार ही काम करता है। उत्तर प्रदेश इसका उदाहरण है कि अगर राजनीतिक नेतृत्व कानून और व्यवस्था के प्रति संकल्पबद्ध हो तो स्थिति में आमूलचूल परिवर्तन हो सकता है। 1947 के बाद पहला अवसर है जब उत्तर प्रदेश में अलविदा की कोई नमाज सड़क पर नहीं हुई। इसका अर्थ है कि अभी तक जानबूझकर ऐसा होता रहा। उत्तर प्रदेश में पूरे रमजान के महीने में कोई अवांछित घटना नहीं घटी। हर तरह की शोभा यात्रएं निकलीं और शांतिपूर्वक संपन्न भी हो गईं। ईद भी शांति से मनी। उत्तर प्रदेश में कई हजार धार्मिक स्थानों से अवैध लाउडस्पीकर हटाए गए और उनकी आवाज कम की गई। कहीं किसी ने इसके विरोध में हिंसक प्रतिक्रिया देखी? इससे राजस्थान और दूसरे राज्यों को भी सीख लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जितना प्रतिबद्ध बताएं या कानून की सख्ती का दावा करें, सच्चाई सबके सामने है। जब कानून के उल्लंघन की घटनाओं की लगातार अनदेखी होती है तो असामाजिक एवं कट्टरपंथी तत्वों का मनोबल बढ़ता है और वे इसका अपने तरीके से लाभ उठाते हैं। निःसंदेह कोई पूरा समुदाय आक्रामक नहीं होता, लेकिन यदि उसके बीच के कुछ तत्वों का मनोबल बढ़ जाए तो यह प्रशासन के इकबाल का परिचायक नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

मंडी हवाई अड्डे के सामाजिक प्रभाव का होगा मूल्यांकन, प्रशासन ने सरकार को पत्र भेजकर जल्द मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने का किया आग्रह

मंडी। मंडी जिले के बल्ह हलके में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को धरातल पर उतारने की कवायद शुरू हो गई है। प्रशासन ने हवाई अड्डे सामाजिक प्रभाव यानी क्षेत्र के लोगों पर होने वाले असर का मूल्यांकन करवाने का निर्णय लिया है। सरकार को पत्र लिखकर जल्द मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने की सिफारिश की गई है। पर्यटन विभाग सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करवाएगा। कोविड की वजह से दो साल से मूल्यांकन का काम अटका था। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए पर्यटन विभाग ने गत सप्ताह निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के साथ दिल्ली में करार किया था। इसके बाद हरकत में आए बल्ह उपमंडल प्रशासन ने सरकार के निर्देश पर हवाई अड्डे की जद में आने वाली भूमि की बाहरी सीमा चिह्नित कर उससे विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को अवगत करवाया था। सभी विभागों को अपनी-अपनी भूमि व अन्य संपत्ति की जानकारी लिखित में एक सप्ताह के अंदर देने के निर्देश दिए हैं। सामाजिक प्रभाव की मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। कुछ संस्थानों के विरोध के चलते भूमि अधिग्रहण से संबंधित जनसुनवाई होने की संभावना न के बराबर लग रही है। सरकार ने अनिवार्य भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अंतर्गत निजी भूमि अधिग्रहीत करने का मन बनाया है। हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे के लिए करीब 2617 बीघा भूमि का अधिग्रहण होगा। इसमें 2215 बीघा निजी व 402 बीघा सरकारी भूमि है। रनवे व टर्मिनल के निर्माण कार्य के लिए बल्ह उपमंडल के सात राजस्व मुहाल चिह्नित किए गए हैं। हवाई अड्डा सामरिक व पर्यटन की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। उपायुक्त मंडी अरिंदम चौधरी ने कहा कि बल्ह में प्रस्तावित हवाई अड्डे से जनता पर होने वाले सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करवाने की सरकार से सिफारिश की गई है। इसके बाद भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया शुरू होगी।

पात्र दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण वितरण एवं नये आवेदन पत्र प्राप्त करने के उद्देश्य से होगें शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतम बुद्ध नगर लवेश कुमार सिसौदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पात्र दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण वितरण करने तथा नए आवेदन पत्र प्राप्त किए जाने के उद्देश्य से 7 मई 2022 को विकासखंड जेवर परिसर तथा 9 मई 2022 को विकासखंड दादरी परिसर में सुबह 11:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले शिविर का लाभ उठाने के लिए दिव्यांगजन को अपने साथ दो फोटो, अपना आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र (ग्रामीण क्षेत्र के लिए 46080 तथा शहरी क्षेत्र के लिए 56460) गरीबी रेखा के नीचे की हो, (आय प्रमाण पत्र माननीय सांसद, माननीय विधायक, महापौर, पार्षद, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी अथवा ग्राम प्रधान का मान्य होगा) तथा दिव्यांगता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। अतः पात्र दिव्यांगजन आयोजित होने वाले शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

औषधि निरीक्षक ने बिलासपुर स्थित दिनेश किराना स्टोर की जांच की

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा निरन्तर अभियान चलाकर जांच की जा रही है। इसी क्रम में आज औषधि निरीक्षक के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना दनकौर पुलिस बल के साथ चौक बाजार बिलासपुर स्थित दिनेश किराना स्टोर की जांच की गयी। औषधि निरीक्षण वैभव बब्बर ने बताया कि जांच के दौरान मौके से पशुओं से ज्यादा मात्रा में दूध निकालने में काम आने वाला ऑक्सीटोसिन इंज की 24100 एम0एल की भरी हुई वायल बरामद हुई एवं 202 भंडारित पाए गए, जिनका मौके पर कोई भी क्रय विक्रय बिल नही मिला और न ही औषधि लाइसेंस प्रस्तुत किया गया। मौके से दो नमूने संग्रहित कर बाकी बची सभी ऑक्सीटोसिन इंज को जब्त करते हुए सील कर लिया गया है।

जब्त ऑक्सीटोसिन इंज की कीमत 2000 रुपए बताई जा रही है। औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिनकी रिपोर्ट आने पर एवं विवेचना करने पर आग्रिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 18/27 के अन्तर्गत माननीय न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतमबुद्धनगर में वाद दाखिल कराया जाएगा। औषधि निरीक्षक ने बताया कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को सिंगल यूनिट में ब्लिस्टर पैक में ही विक्रय किए जाने का प्रावधान है। जिसे बिना लाइसेंस के मल्टी डोज वायल में नहीं बेचा जा सकता है। औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया की जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स एवं किराना स्टोर की जांच की जाएगी। यदि किसी भी मेडिकल स्टोर या किराना स्टोर संचालक द्वारा ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की मल्टी डोज वियल करते पाये जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा डेढ़ वर्षीय बच्चे को अज्ञात व्यक्ति द्वारा उठा ले जाने की सूचना मिलने पर मात्र 03 घंटे के अन्दर बच्चे को सकुशल तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आज दोपहर लगभग 12:15 बजे थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रांतर्गत डॉयल-112 नंबर पर एक कॉल प्राप्त हुई कि एक्सपो प्लाजा में कार्य कर रहे मजदूर का डेढ़ वर्ष का बच्चा एक अज्ञात व्यक्ति सफेद रंग की गाड़ी से उठाकर ले गया है। उक्त सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एफआईआर पंजीकृत की गई एवं बच्चे की तुरंत तलाश हेतु डीसीपी ग्रेटर नोएडा व एडीसीपी ग्रेटर नोएडा के निर्देशन व एसीपी-1 ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित की गई। थाना प्रभारी नॉलेज पार्क विनोद कुमार सिंह व थाना दादरी पर नियुक्त एसआई वरूण पंवार की टीम द्वारा कड़े प्रयास करते हुए मात्र 3 घंटे के अंदर उक्त बच्चे को एलजी गोल चक्कर के पास से सकुशल ढूंढ लिया गया। उक्त बच्चे को एक्सपो प्लाजा में पम्प सप्लाई का ठेकेदार रमाशंकर पांडे पुत्र कुशेश्वर पांडे निवासी रूपवास निकट धर्म पब्लिक स्कूल के पास, थाना दादरी अपने साथ ले जा रहा था जिसको पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है व घटना में प्रयुक्त ब्रेजा गाड़ी को भी बरामद कर लिया गया है। प्राथमिक जांच में यह ज्ञात हुआ कि उक्त व्यक्ति के विवाह के 08 वर्ष बाद भी संतान नही हो रही थी जिस कारण वह उक्त बालक को अपने साथ लेकर जा रहा था। बच्चे को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। अभियुक्त से अन्य जानकारी की जा रही है। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है।

नीतीश कुमार की कैबिनेट में बदलाव की चर्चा तेज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पटना पहुंचने से मिली हवा

पटना। बिहार की राजनीति का माहौल इन दिनों थोड़ा गर्म हो गया है। दरअसल, काफी दिनों से चर्चा कि बिहार सरकार में भाजपा कोटे के मंत्री बदले जा सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कैबिनेट में फेरबदल की तैयारियों की चर्चा गुरुवार देर रात और तेज हो गई। दरअसल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गुरुवार शाम अचानक पटना पहुंच गए। पटना आते ही वे सीधे नीतीश कुमार से मुलाकात करने मुख्यमंत्री आवास गए। हालांकि,

दोनों नेताओं के मुलाकात के विषय पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई, लेकिन माना जा रहा है कि राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति चुनाव और बिहार मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। इस दौरान जदयू के वरिष्ठ नेता और बिहार के शिक्षा मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। भाजपा की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रधान ने रात्रि में राजकीय अतिथिशाला में विश्राम किया। इस दौरान कई वरिष्ठ भाजपा नेता प्रधान से मिलने आए। प्रधान शुक्रवार की सुबह दिल्ली लौट जाएंगे। बिहार में काफी समय से चर्चा है कि नीतीश कैबिनेट में भाजपा कोटे के मंत्रियों को बदला जा सकता है। परफार्मेस के आधार पर कई मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है, तो कुछ नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं। खासकर, बिहार विधान परिषद चुनाव परिणाम और विधानसभा की बोचहां सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की करारी हार और कोर वोटरों की नाराजगी से भाजपा नेतृत्व चिंतित है। इसी बीच बिहार भाजपा के पूर्व प्रभारी व वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पटना आना और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात से तमाम तरह की चर्चाएं तेज हो गई है।

जीवन का हर क्षण हमें शिक्षा देकर परिपक्व बनाता है- कलेक्टर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा वर्ष 2021-22 की प्रादेशिक प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सतना जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान सोमवार को जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हर्षोल्लास और उत्साह पूर्वक धूमधाम से किया गया। इस मौके पर कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव, अपर कलेक्टर राजेश शाही, जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी और उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मेधावी छात्रों के माता-पिता एवं संस्था के प्राचार्य तथा गुरुजनों को भी सम्मानित किया गया। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने मेधावी छात्र-छात्राओं से उनकी परीक्षा की तैयारियों के संबंध में अनुभव की जानकारी लेते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने कहा कि जीवन का हर स्टेप हमें सीखने का अवसर देता है और परिपक्व बनाता है। उन्होंने सभी मेधावी बच्चों के अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परीक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता और शिक्षकों की भी मेहनत महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने शारीरिक रूप से दिव्यांग मेधावी छात्रा अनुष्का को आगे की पढ़ाई के लिए हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिया। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि सतना जिले को गौरवान्वित करने वाले इन मेधावी बच्चों ने प्रदेश स्तर पर गौरव हासिल किया है। उन्होंने कहा कि मेधावी बच्चों के आत्मविश्वास और संस्कार देखकर लगता है कि यह बच्चे जीवन में बहुत तरक्की करेंगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि उनमें अनंत क्षमताएं हैं। यह कार्यक्रम यादगार होने के साथ आप सब के भविष्य के प्रशस्त मार्ग के लिए प्रेरणा भी देगा। सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव ने कहा कि वे स्वयं अपने प्रदेश की हाई स्कूल की मेरिट में रहे और जिले के जिला मजिस्ट्रेट से पुरस्कृत होने पर आईएएस बनने की प्रेरणा भी मिली।

सीईओ ने कहा कि कोई भी क्षेत्र कम नहीं होता, जरूरत अपना प्रयास क्षेत्र में शत-प्रतिशत करने की होती है। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगाज अच्छा है, लेकिन यह शुरुआत है। आप सबके लिए सितारों से आगे जहां और भी है। कार्यक्रम में सहायक संचालक शिक्षा एनके सिंह और एडीपीसी गिरीश अगिन्होत्री भी उपस्थित थ हाई स्कूल की प्रावीण्य सूची के छात्र-छात्रायें सम्मानित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में अशासकीय ब्लू वैल्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर की छात्रा कु. सुचिता पांडेय आत्मजा श्री सत्यनारायण पांडेय को हाई स्कूल परीक्षा में 496 अंक प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार हाई स्कूल की परीक्षा में राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में 491 अंक हासिल कर छठवां स्थान बनाने वाले सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर के छात्र निष्कर्ष तिवारी आत्मज श्रीकांत तिवारी, 490 अंक हासिल कर सातवां स्थान बनाने वाले शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के छात्र अनुज श्रीवास्तव आत्मज योगेंद्र श्रीवास्तव एवं सरस्वती शिक्षा मंदिर हाई स्कूल इटौरा सोहावल के दिव्यांश अगिन्होत्री आत्मज विनोद कुमार अगिन्होत्री, 489 अंक हासिल कर आठवां स्थान बनाने वाले अशासकीय ब्लू वैल्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर की छात्रा कु. रक्षा तिवारी आत्मजा भारत भूषण तिवारी एवं सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल रामनगर की कु. लक्ष्मी विश्वकर्मा आत्मजा जगदीश विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।हायर सेकण्डरी के मेरिट छात्र भी पुरुस्कृत माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश की हायर सेकेंडरी परीक्षा 2022 में प्रदेश की मेरिट सूची में आये दो छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। इनमें 468 अंक हासिल कर दसवां स्थान बनाने वाली शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपाटन की छात्रा कु. खुशी पाठक आत्मजा दिनेश कुमार पाठक और शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 के छात्र आयुष केसरवानी आत्मज प्रकाश केसरवानी को सम्मानित किया गया। कठिन परिस्थितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अनुष्का भी सम्मानित दुर्घटना में दिव्यांग हुई लिटिल फ्लावर पब्लिक हाई स्कूल सतना की छात्रा कु. अनुष्का गुप्ता ने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और प्राइवेट छात्र के रूप में हाई स्कूल की परीक्षा में 76 प्रतिशत यानी 500 के पूर्णांक में 380 अंक अर्जित करने पर उनके हौसले का सम्मान किया गया। अनुष्का गुप्ता अपने पिता प्रमोद गुप्ता के साथ व्हीलचेयर पर समारोह में शामिल हुई। जहां कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने उनकी सीट पर जाकर सम्मानित किया। वर्ष 2017 में दुर्घटना का शिकार हुई अनुष्का ने हार नहीं मानी और अपनी पढ़ाई जारी रखी। सहयोगियों के नोट्स, ऑनलाइन कोचिंग और लेखक की सहायता से उन्होंने 76 प्रतिशत अंक हासिल किए। अनुष्का अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखना चाहती है। कलेक्टर और जिला प्रशासन ने उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया है। अनुष्का गुप्ता की सफलता में सहयोग करने वाली कु. शर्मिष्ठा द्विवेदी और प्रतिष्ठा द्विवेदी दोनों बहनों और परीक्षा में लेखिका रिया सिंह को भी सम्मानित किया गया। लाड़ली उत्सव में भी मेधावी छात्रायें हुईं सम्मानित राज्य शासन के महिला बाल विकास विभाग द्वारा 2 मई से 11 मई तक पूरे प्रदेश में लाडली लक्ष्मी उत्सव मनाया जा रहा है। उत्सव के शुभारंभ में लाडली लक्ष्मी दिवस पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की परीक्षा में प्रादेशिक प्रावीण्य सूची में अपना नाम दर्ज कराने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव, अपर कलेक्टर राजेश शाही, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह ने सभी मेधावी छात्राओं को नकद राशि के चेक और प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया। बेटियों को प्रोत्साहन स्वरूप कलेक्टर अनुराग वर्मा ने हाई स्कूल की परीक्षा में प्रादेशिक मेरिट सूची में प्रथम हासिल करने वाली सुचिता पांडेय को 15 हजार रुपये और हायर सेकेंडरी की प्रदेश की मेरिट सूची में दसवां स्थान हासिल करने वाले खुशी पाठक को 10 हजार और हाई स्कूल की मेरिट सूची में स्थान हासिल करने वाली रक्षा तिवारी, लक्ष्मी विश्वकर्मा, अनुष्का गुप्ता को 5-5 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार कु. अनुष्का गुप्ता को सहयोग करने वाली दोनों बहनों शर्मिष्ठा और प्रतिष्ठा द्विवेदी तथा रिया सिंह को भी पुरस्कृत किया गया।

बंगाल में अमित शाह के बयान पर बिहार एनडीए में विवाद, कामन सिविल कोड के बाद अब सीएए पर आमने-सामने बीजेपी-जेडीयू

पटना।बिहार में राष्ट्रीय गठबंधन की सरकार के घटक भारतीय जनता पार्टी व जनता दल यूनाइटेड कई बड़े मुद्दों पर टकराते रहे हैं। हाल ही में समान नागरिक संहिता के बीजेपी के स्टैंड का जेडीयू ने विरोध किया था। यह मामला अभी गर्म ही है कि अब दोनों दल नागरिकता संशोधन कानून पर टकरा गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में कहा है कि कोरोनावासरस का संक्रमण काल खत्म होने के बाद सीएए लागू कर दिया जाएगा। इसके बाद बिहार में बीजेपी कोटे के मंत्री प्रमोद कुमार ने सीएए बिहार में भी लागू करने की बात कही। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा एवं जेडीयू कोटे से मंत्री संजय झा ने कहा है कि बिहार में इसे लागू करने का सवाल ही नहीं उठता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में गुरुवार को सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सीएए हर हाल में लागू किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कह रहीं हैं कि सीएए सबों पर लागू नहीं होगा। पर, यह केंद्र सरकार के एजेंडे में है और इसे हर हाल में लागू किया जाएगा। कोरोनावायरस संक्रमण की लहर कम होते ही इसपर काम शुरू कर दिया जाएगा। अमित शाह के इस बयान के बाद बिहार में राजनीति गर्म हो गई है। बिहार बीजेपी के नेता और नीतीश सरकार में मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि सीएए देहशहित से जुड़ा मुद्दा है। बीजेपी का उद्देश्य है एक भारत, श्रेष्ठ भारत। मंत्री प्रमोदी कुमार ने कहा कि अमित शाह ने कह दिया तो इसे देश में लागू होना ही चाहिए। इसे बिहार में भी लागू किया जाना चाहिए। सीएए पर अमित शाह के बयान के बाद उसे नीतीश सरकार में बीजेपी कोटे से मंत्री के समर्थन के बाद जेडीयू ने विरोधी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा है कि बिहार में सीएए लागू किए जाने का कोई प्रश्न ही नहीं है। यह जेडीयू के एजेंडे में ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसका विरोध किया था। जेडीयू का स्टैंड बदला नहीं है। जेडीयू के स्टैंड को लेकर मंत्री प्रमोद कुमार से पूछने पर उन्होंने कहा कि समय के साथ समझौता भी होता है, समय आने पर सब हो जाएगा। जेडीयू कोटे से मंत्री संजय झा ने भी कहा कि बिहार में सीएए व एनआरसी की जरुरत नहीं है। इसपर जेडीयू का स्टैंड क्लियर है। सीएए के मुद्दे पर एक राय नहीं है बीपेजी व जेडीयू विदित हो कि बीजेपी देश में विदेशियों की अवैध घुसपैठ के मुद्दे को उठाती रही है। बीजेपी इसे रोकने में सीएए को मददगार समझती है। दूसरी ओर केंद्र व राज्य की एनडीए सरकारों में उसकी सहयोगी जेडीयू इसके खिलाफ है

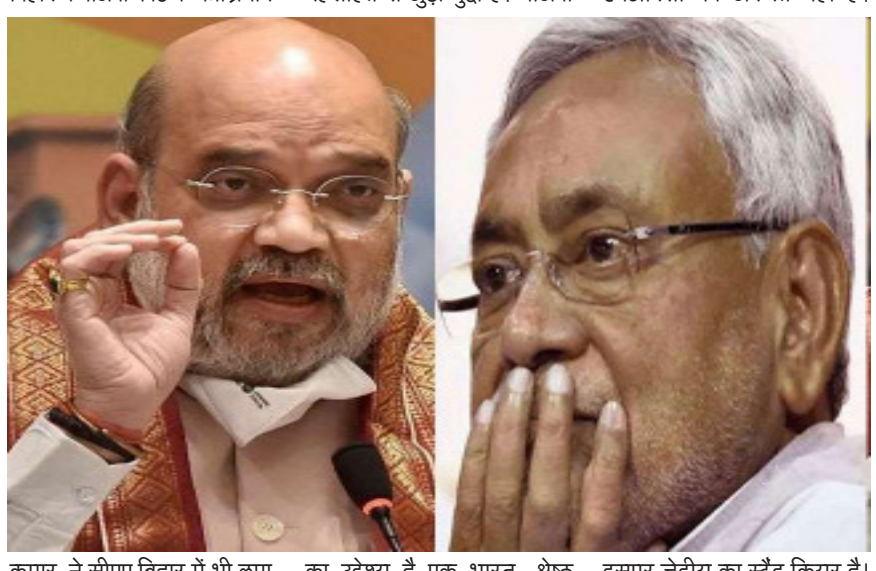

गाजियाबाद पर मुख्यमंत्री की पैनी नजर

गाजियाबाद। गाजियाबाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पैनी नजर है। भ्रष्टाचार व लापरवाही के मामलों का संज्ञान लेकर वह सीधे निलंबन की कार्रवाई कर रहे हैं। भूमि अधिग्रहण मामले में अनियमितताओं के चलते गाजियाबाद की तत्कालीन डीएम निधि केसरवानी के निलंबन व तत्कालीन डीएम विमल कुमार शर्मा के खिलाफ एफआइआर के आदेश के बाद से जिले में वर्तमान में तैनात व पूर्व में तैनात रहे अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों को डर है कि पता नहीं कौन सी फाइल खुल जाए और निलंबन की गाज गिर जाए। अब तक इतने हो चुके हैं निलंबित दूसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद लापरवाही के मामले में योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद के तत्कालीन एसएसपी पवन कुमार को निलंबित कर चुके हैं। भूमाफिया से साठगांठ के आरोप में जिले के अल्पसंख्यक विभाग में कार्यरत और हापुड़ में वक्फ निरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार देख रहे परविंद्र कुमार, अवैध निर्माण कराने के मामले में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता शिवओम त्यागी व लापरवाही के मामले में दो एआरटीओ व एक आरआइ को निलंबित कर चुके हैं। पहली बार हो रहा ऐसा गाजियाबाद में तैनाती के लिए अधिकारी कितने आतुर रहते हैं। यह सच किसी से छिपा नहीं है। यहां तैनाती पाने के लिए अधिकारी राजनेताओं से लेकर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से गोटी फिट करते हैं। आइएएस, आइपीएस, पीसीएस, पीपीएस व अन्य अधिकारी, सबकी मंशा सिर्फ एक ही रहती है कि बस किसी भी तरह गाजियाबाद में तैनाती मिल जाए, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि अधिकारी गाजियाबाद से बिस्तर बांधकर कहीं और तैनाती के लिए जोर-शोर से लगे हुए हैं। जिले के 19 गांव के 4794 किसानों की जमीन हुई थी अधिग्रहीतदिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे (डीएमई) के लिए गाजियाबाद में 19 गांव के 4,794 किसानों की 296 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हुआ था। जिले में डीएमई की कुल लंबाई 27.6 किलोमीटर है। अधिग्रहीत जमीन के एवज में करीब 1400 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा जा चुका है। वर्तमान में सिर्फ 50-55 करोड़ रुपये मुआवजा बांटना शेष रह गया है।

भाजपा नेता तेजिंदर की कथित गिरफ्तारी पर आप पार्टी विधायक नरेश बाल्यान बोले

नई दिल्ली। आपत्तिजन बयान समेत कुछ अन्य मामलों में दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया है और उन्हें लेकर मोहाली जा रही है। वहीं, भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि तेजिंदर पाल को पंजाब से सात बजे के बीच पंजाब पुलिस के करीब 50 जवान घर में आए और उनके बेटे को जबरदस्ती अपने साथ ले गए उनका कहना है कि उनके बेटे को सही बात कहने की सजा मिल रही है। उनके बेटे कश्मीर फाइल्स फ़िल्म के बारे में चल रही चर्चा के दौरान दिल्ली के

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। इस पर दिल्ली आम आदमी पार्टी के विधायक ने कहा है कि लुच्चे-लफ़ंगों की पार्टी भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को को पंजाब पुलिस ने गिरफ़्तार किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी को ङ्घजीने नही देंगेङ्घ की धमकी दी थी वहीं, तेजिंदर पाल सिंह बग्गा की मां का कहना है कि उन्हें फ़ोन पर बताया गया है कि शुक्रवार सुबह छह बजे मुख्यमंत्री व आप नेताओं के हल्के रवैये पर निशाना साधा था, इस बात का उनसे बदला लिया जा रहा है। उधर, तेजिंदर की मां का यह भी कहना है कि पंजाब पुलिस जब उनके घर एआइ तब घर में तेजिंदर और उनके पिता थे। उनके पिता के साथ पंजाब पुलिस ने बदतमीजी की है। फिलहाल तेजिंदर के पिता अपने घर पर है। इस पूरे प्रकरण पर अभी दिल्ली पुलिस की ओर से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है।

मलाइका अरोड़ा नहीं बनना चाहती थीं आलिया भट्ट- रणबीर कपूर की रिसेप्शन पार्टी का हिस्सा इस वजह से कतरा रही थीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। पिछले महीने एक्सीडेंट का शिकार हुई मलाइका अरोड़ा हाल ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की रिसेप्शन पार्टी में नजर आई थीं। जिसे लेकर एक्ट्रेस ने अब खुलासा किया है कि वह इस पार्टी में नहीं जाना चाहती थीं क्योंकि वह काफी डरी हुई थीं और कार में बैठने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रही थीं। मलाइका की ये हालत उनके साथ हुए सड़क हादसे के कारण हुई थी। एक्सीडेंट के बाद मलाइका अरोड़ा पहली बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की रिसेप्शन पार्टी में नजर आई थीं। इस पार्टी में एक्ट्रेस न्यूली वेड कपल को विश करने के लिए बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ पहुंची थीं। जिसे लेकर एक्ट्रेस ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने इस पार्टी में जाने के लिए खुद को कैसे मनाया था क्योंकि उनके साथ हुए कार एक्सीडेंट ने उन्हें अंदर हिला कर रख दिया था और वह बेहद डर गई थीं। बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए मलाइका ने बताया, 'मैं फिजिकली तो पूरी तरह फिट हूं लेकिन मानसिक रूप से अभी हिली हुई हूं। डर, चिंता और घबराहट होती है। कहीं भी जाने से पहले मुझे खुद को बहुत समझाना पड़ता है। यहां तक कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की पार्टी में भी शामिल होने के लिए भी बड़ी मुश्किल से खुद को समझाया, मुझे पार्टी में शामिल होने के लिए खुद को काफी मनाना पड़ा था। कार में बैठने से ज्यादा, कार के आस-पास लोगों को देख कर ही परेशान हो जाती हूं। अब मैं कार में बैठते ही सीट बेल्ट लगा लेती हूं, भले ही पिछली सीट पर क्यों ना बैठी हूं। मलाइका अरोड़ा ने हादसे की रात के बारे में बात करते हुए ये भी खुलासा किया कि उनके मन में उस वक्त क्या चल रहा था। एक्ट्रेस ने कहा, 'एक्सीडेंट के बाद मैं सिर्फ दो चीजें के लिए प्रार्थना कर रही थीं ष्ठउस रात मैं मरना नहीं चाहती थी और मैं अपनी आंखों की रोशनी खोना नहीं चाहती थी। मुझे बताया गया कि जब एक्सीडेंट हुआ तो मैं लगातार अपनी मां और बेटे अरहान के बारे में पूछ रही थी। इसके अलावा मैं सेट पर जाने के बारे में भी बड़बड़ा रही थी।मलाइका अरोड़ा का बीते महीने पुणे से मुंबई आते वक्त कार एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उनके चेहरे पर कुछ चोटें आईं थी। जिसके घाव उन्होंने कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा किया था।

रणवीर सिंह निकले एक दम जोरदार, पिता की मार और बीवी के प्यार के बीच ऐसे बनाया बैलेंस

नई दिल्ली। रणवीर सिंह जल्द ही फैंस के लिए फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' लेकर आ रहे हैं। जिसे लेकर वह इन दिनों खूब सुखिऱ्यों में बने हुए हैं। उनकी फिल्म अपने कॉन्सेप्ट को लेकर पहले ही काफी चर्चा बटोर रही है। ऐसे में अब फिल्म का टाइटल ट्रैक भी रिलीज कर दिया है। जो फिल्म में रणवीर के किरदार के बारे में बता रहा है और काफी मजेदार है। 'जायेशभाई जोरदार' के इस गाने में फिल्म में रणवीर के किरदार के बारे में बताने के साथ ही साथ फिल्म की एक छोटी सी झलक भी दिखाई गई है। जो बता रही है कि जयेशभाई एक सीधा-सादा सा गुजराती लड़का है और अपने पिता का एक आज्ञाकारी बेटा भी है। इसके साथ ही अच्छा पति बनने की भी पूरी कोशिश करता है। गाने की पहली लाइन ही काफी मजेदार है जिसमें रणवीर बताते हैं वह शाकाहारी। लिरिक्स है, 'ना ही मीट और ना ही नीट, बस शौक से खाए दलिया रे।' जायेशभाई जोरदार के टाइटल ट्रैक को विशाल ददलानी और कीर्ति सगथिया द्वारा गाया गया। वहीं जयदीप साहनी ने इसके बोल लिखे हैं। जबकि विशाल और शेखर की जोड़ी ने गाने को म्यूजिक दिया। इससे पहले फिल्म का पहला गाना 'फायरक्रैकर' रिलीज किया गया था। जो इस गाने की तरह ही काफी मजेदार है। बीते 19 अप्रैल को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है। इस कॉमेडी-ड्रामा में समाज में बेटे और बेटी को लेकर फैले भेदभाव को अलग अंदाज में दिखाने की कोशिश की गई है। जिसमें भ्रूण हत्या जैसा संवेदनशील मुद्दा भी शामिल है। जयेशभाई जोरदार' का प्रोडक्शन यश राज फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्देशन की कमान डेब्यूटेंट डायरेक्टर दिव्यांग ठक्कर ने संभाली है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' फेम शालिनी पांडे, बोमन ईरानी और रतन पाठक मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'जयेशभाई जोरदार' दुनियाभर के सिनेमाघरों में 13 मई, 2022 को रिलीज की जाएगी।

'मिर्जापुर' वाले 'मुन्ना भैया' चकाचौंध भरी दुनिया से दूर करना चाहते हैं ये काम जानकर फैंस हो सकते हैं खुश

मुंबई। 'प्यार का पंचनामा' और 'चश्मे बद्दूर' फिल्मों में कामेडी करने बाद दिव्येंदु शर्मा वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में दबंग मुनन भइया के किरदार में नजर आए। हालिया रिलीज शार्ट फिल्म '1800 लाइफ' में स्टैंड अप कामेडियन का किरदार निभाने के बाद, अब वह फिल्म 'मेरे देश की धरती' में खेती-किसानी और रोमांस करते नजर आएंगे। उनसे बातचीत के अंश इस फिल्म में शहरी युवाओं और गांव के किसानों की मुद्दों की बात की गई है। इसकी कहानी सुनकर मुझे लगा कि अगर युवा और किसान दोनों मिल जाएं, तो दोनों की समस्याओं का समाधान निकल सकता है। इस फिल्म में समस्या और उसके समाधान दोनों के बारे में बातें की गई हैं। हर फिल्म फायदे या नुकसान के लिए नहीं बनाई जाती है। इस फिल्म और इसके विषय को लोगों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इस फिल्म में बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दे को बड़े मनोरंजक और सहज तरीके से दिखाया गया है। मैं दिल्ली मे पला-बढ़ा लड़का हूं, बहुत ज्यादा गांव नहीं गया हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हम करीब डेढ़ माह तक भोपाल के पास सीहोर जिले के एक गांव में रहे। शूटिंग के दौरान खेती-किसानी के बारे में कुछ संशय होने पर हम गांव वालों से बेहिचक पूछ लेते थे। जब हम विशेषज्ञों की मदद से फिल्म में किसानों की समस्याओं के समाधान की बात करते, तो उन्हें भी वे बातें सही लगती। मैं तो उनके घर में जाकर खूब खाना खाता था। कई लोग मेरे लिए अपने घर से मिठाइयां, साग, बाजरे और जौ की रोटियां बनाकर लाते थे। हम उनका खाना खाते थे और उन्हें अपना खाता खिलाते थे। बिल्कुल, वक्त मिलने पर मैं पहाड़ों के बीच गांवों में चला जाता हूं। महामारी के दौरान तो मैं करीब दो महीने हिमाचल प्रदेश में रहकर आया। इसके अलावा पेड़-पौधे लगाने में भी मेरी बड़ी रुचि है। मेरे घर की एक बालकनी पूरी पौधों से भरी है, मैं खुद उनकी देखरेख करता हूं। अगर मेरा बस चलेगा, तो भविष्य में मैं किसी गांव में अपना एक आर्गेनिक फार्म बनाउंगा और किसानी का आनंद लूंगा। मैं उन लोगों में से हूं, जो अपना ब्रांड बनाकर उसे कैश नहीं करते हैं। 'प्यार का पंचनामा' के बाद डेविड धवन सर के साथ 'चश्मे बद्दूर' फिल्म की। तब लगा कि कामेडी बहुत कर ली, अब इससे ब्रेक लेते हैं। हर कलाकार की अपनी प्राथमिकता होती है। अपनी कामेडी, एक्शन और निगेटिव छवि या ब्रांड को भुनाने वाले कलाकारों को मैं बिल्कुल भी गलत नहीं कहता हूं। कुछ लोग मेरे जैसे भी होते हैं, जिन्हें अलग-अलग काम करने में ज्यादा मजा आता है। यही मेरे जीवन की किक है। (सोचकर) जो असर दिखना चाहिए था, वो हो चुका है। मैं इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन प्रोडक्शन हाउस और कलाकारों के साथ काम कर रहा हूं। हर इंसान के लिए सफलता के मायने एक नहीं हो सकते है। कुछ लोग भौतिक चीजों प्राप्त करने को सफलता मानते है, कुछ लोग मानसिक संतुष्टि को। मैं इंडस्ट्री में एक आउटसाइडर हूं, पहले किसी को जानता नहीं था। कई साल पहले फिल्म 'प्यार का पंचनामा' की थी, जिससे काफी तारीफ मिली। वहां से शुरू हुआ मेरा सफर अब यहां तक पहुंच गया है, जहां पर मैं अपने नाम और काम से जाना जाता हूं। मेरे लिए यही सफलता है। हिट पर हिट देते रहना या ज्यादा पैसे कमाना मेरे लिए सफलता नहीं है। मैं एक कलाकार हूं, सड़क पर नाच दिखाने वाला मदारी नहीं, जो रोज एक ही कलाबाजी करके कमाता है। (हंसते हुए) उम्मीद पर तो दुनिया कायम है। 'मिर्जापुर 3' की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। तीसरे सीजन में क्या होगा, यह बताकर मैं लोगों का मजा किरकिरा नहीं करना चाहता हूं। जून-जुलाई से हम इसकी शूटिंग शुरू करेंगे।

जॉनी डेप पर एंबर हर्ड ने लगाया 'बोतल' से यौन उत्पीड़न करने का आरोप

नई दिल्ली। जॉनी डेप पर एंबर हर्ड ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है जॉनी डेप की भूतपूर्व पतने एंबर हर्ड ने इस बारे में गुरुवार को कोर्ट को बताया एंबर हर्ड पूर्व पति जॉनी डेप के खिलाफ गवाही देते समय रो पड़ी एंबर हर्ड ने जॉनी डेप पर आरोप लगाया है कि जॉनी डेप ने उनका शराब की बोतल से यौन उत्पीड़न किया है और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है गौरतलब है कि यह अब तक का सबसे बहुचर्चित डिफेमेशन ट्रायल है एंबर हर्ड ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में जॉनी डेप से मिलने पहुंची थी यह उनकी शादी के 1 महीने बाद था और यह घटना 2015 की है, तब वह वहां पर पाइरेट्स आफ द कैरीबियन की शूटिंग कर रहे थे इस अवसर पर एंबर ने कहा कि दोनों एक डिनर डेट पर गए थे, जहां दोनों के बीच बहस हो गई जॉनी डेप तब शराब पी रहे थेत् उन्होंने एंबर को रेफ्रिजरेटर के पास धक्का दे दिया और उनका गला पकड़ लिया एंबर ने आगे कहा कि उन्होंने अपने आपको मुश्किल से छुड़ाया और ऊपर भाग गईत् इसके बाद जब वह रात को वापस लौटी तो जॉनी जाग रहे थे तब एंबर ने नाइट गाउन पहन रखा था इसके बाद उन्होंने उनके साथ खाना खाने का प्रयास किया लेकिन वह खाना नहीं खा पाई इसके बाद जॉनी डेप ने उनपर बोतल से हमला किया, वह उनके आसपास गिरकर फूट गई इसके बाद जॉनी ने एंबर का नाइट गाउन फाड़ दिया इसके चलते वह बिना कपड़ों के हो गई इसके बाद उन्होंने उनका शराब की बोतल से यौन उत्पीड़न किया इस अवसर पर एंबर हर्ड रोने लगीत् एंबर हर्ड यह बात सोच रही थी कि कही वह टूटी हुई बोतल ना हो उन्होंने यह भी कहा कि जब जॉनी डेप ऐसा कर रहे थे, तब वह कह रहे थे कि वह उन्हें जान से मार देंगे एंबर ने कहा कि वह डरी हुई थी क्योंकि उन्होंने उनसे शादी की थी।

करिश्मा कपूर की पार्टी से निकलते हुए करीना कपूर-अमृता अरोड़ा हुईं ट्रोल

नई दिल्ली। करीना कपूर खान अपनी गर्ल गैंग के साथ पार्टी करने के लिए काफी पॉपुलर हैं। पिछले साल के अंत में इसी पार्टी के चक्कर में करीना कोविड पॉजिटिव भी हो गई थीं। तो वहीं बीती रात एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने अपने घर पर डिनर पार्टी रखी। करीना कपूर खान, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा, फिल्म निर्माता करण जौहर, डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और अभिनेता संजय कपूर भी इस पार्टी में मौजूद थे। पार्टी से निकलते वक्त पैपराजी ने करीना और मलाइका की बहन अमृता को अपने कैमरे में कैद किया। इस दौरान लोगों ने इनका पार्टी के बाद वाला रूप देखकर इन्हें जमकर ट्रोल भी किया। दरअसल, बॉलीवुड सेलेब्स कभी भी पार्टी करने और साथ में समय बिताने का मौका नहीं छोड़ते हैं। ऐसे में अक्सर बॉलीवुड की बीएफएफ करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा अक्सर साथ में मस्ती करती नजर आती हैं। करिश्मा कपूर की इस डिनर पार्टी में करीना और अमृता एक साथ पहुंचीं और बाहर निकलीं। करीना ने पार्टी के बेहद ही खूबसूरत रेड कफ्तान वन पीस पहना था। पैपराजी ने जब पार्टी से निकलते हुए उन्हें अपने कैमरों में कैद करने की कोशिश की तो वो हाथों से अपना चेहरा छुपाने लग गईं। जिसे देख सोशल मीडिया ने उन्हें काफी ट्रोल किया। करीना और अमृता को साथ गाड़ी में देख लोग पूछने लगे कि 'ये इतनी पार्टी करतीं हैं, फिर भी फिट कैसे रह लेती हैं।' तो किसी ने पूछा कि ज्यादा पी ली है क्या? तो किसी ने लिख पिया..पिया रे...। कुछ ऐसे भी थे जो पैपराजी को ही कोसते नजर आए कि आखिर इनकी प्राइवेसी में दखल क्यों देते हो, जब भी पार्टी करते हैं तो कैमरा लेकर पहुंच जाते हो। करिश्मा कपूर की इस पार्टी में मलाइका अरोड़ा ने भी शिरकत की। मलाइका अरोड़ा कुछ दिन पहले एक एक्सीडेंट का शिकार हो गई थीं जिस वजह से उनके माथे पर चोट आई थी। एक्सीडेंट के बाद मलाइका ने कुछ दिन सबसे दूरी बना ली थी, लेकिन अब वो फिर से पार्टीज अटेंड करती हुई दिख रही हैं।

'KGF 2' की सुनामी में डूब गई 'रनवे 34' और 'हीरोपंती 2', 1 हफ्ते में कमाए सिर्फ इतने रुपए

नई दिल्ली। 'अजय देवगन की 'रनवे 34' और टाइगर श्रॉफ की 'हीरोपंती 2' को यश स्टारर 'केजीएफ चैप्टर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर धूल चटा दी। 'केजीएफ 2' अपने चौथे हफ्ते में भी रुकने का नाम नहीं ले रही और ईद की छुट्टी का फायदा उठाते हुए हिंदी की सबसे ज्यादा कमाने वाली दूसरी बड़ी फिल्म बन गई है। 'केजीएफ 2' की सुनामी ने किसी भी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जमने नहीं दिया और एक हफ्ते में ही 'रनवे 34' और 'हीरोपंती 2' को जड़ समेत उखाड़ फेंका। अजय देवगन की एविएशन थ्रिलर ने बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। अब तो नौबत ये आ गई है कि फिल्म की कमाई का ग्राफ तेजी से नीचे जा रहा है। इस गुरुवार को 'रनवे 34' ने कुल 11.09 प्रतिशत हिंदी ऑक्यूपेंसी के साथ सिर्फ 1.70 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 24.36 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इस शुक्रवार हॉलीवुड की डॉक्टर स्ट्रेंजः मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस रिलीज हो गई है, जिसके बाद तो माना जा रहा है कि रनवे 34 का बॉक्स ऑफिस पर सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। दूसरी तरफ टाइगर श्रॉफ की 'हीरोपंती 2' भी मुश्किल में घिरी नजर आ रही है। फिल्म के रिलीज को एक हफ्ता हो चुका है और ये गुरुवार यानी सातवें दिन मात्र 1.25 करोड़ रुपए का बिजनेस ही कर पाई। इसका टोटल कलेक्शन अब लगभग 21 करोड़ रुपए का हो गया है। यश की 'केजीएफः चैप्टर 2' ने मुख्य रूप से इसे कई थिएटरों में रिप्लेस किया है। इस बीच, गुरुवार, 5 मई को हीरोपंती 2 में कुल मिलाकर 9.50 प्रतिशत हिंदी ऑक्यूपेंसी थी। यश की फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' अब भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली दूसरी फिल्म बन गई है। इसने आरआरआर को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं केजीएफ 2 के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए इसके डिजिटल राइट्स भी ऊंचे दाम पर बिके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को ओटीटी पर रिलीज के लिए 320 करोड़ में बेचा गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 27 मई से स्ट्रीम की जा सकेगी।

रणवीर सिंह और नोरा फतेही ने मंच पर अपने सिजलिंग डांस से बढ़ाई 'गर्मी' केमिस्ट्री देख फैंस ने कही ये बात

नई दिल्ली। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वह हर मंच पर जाकर अपनी को-स्टार शालिनी पांडे के साथ जाकर अपनी फिल्म का जोरदार प्रमोशन कर रहे हैं। यशराज बैनर तले बनी फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' का लोगों के बीच में अच्छा खासा बज बना हुआ है। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म के लिए प्रमोशन के लिए रणवीर सिंह कलर्स के शो 'डांस दीवाने जूनियर्स' के मंच पर पहुंचें, जहां एक्टर ने शो की जज नोरा फतेही के साथ मंच पर खूब धमाल मचाया। नोरा फतेही और रणवीर सिंह का डांस रिएलिटी शो से एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नोरा फतेही मंच पर अपने डांस से इंटरनेट का तापमान बढ़ाते हुए नजर आ रही हैं और रणवीर सिंह उन्हें ज्वाइन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो क्लिप में नोरा फतेही एनर्जी किंग रणवीर सिंह के साथ अपने लोकप्रिय गाने 'गर्मी' पर हॉट मूव्स दिखाती हुई नजर आ रही है। दोनों की मंच पर केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। फैंस को भी दोनों की जोड़ी खूब पसंद आ रही है। दोनों का यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग दोनों की केमिस्ट्री को देखकर अलग-अलग प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मैं सोच रही हूं कि दीपिका को ये जोड़ी पसंद आ रही होगी की नहीं'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'उफ्फ्फ्फ ये गर्मी तो जानलेवा है'। अन्य यूजर ने लिखा, 'इन्होंने स्टेज पर आग लगा दी'। हालांकि वही कुछ लोग नोरा फतेही की टाइट फिटिंग ड्रेस को इस डांस के लिए गलत भी बता रहे है। दोनों की डांस केमिस्ट्री देखकर फैंस फूले नहीं समा रहे है। यशराज के बैनर तले बनी फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' 13 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में 'बमफार्ड' एक्ट्रेस शालिनी पांडे रणवीर सिंह की पतने का किरदार निभाएंगी। इन दोनों के अलावा फिल्म में बोमन ईरानी और रतन पाठक शाह भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'दिव्यांग ठक्कर' कर रहे हैं। यह फिल्म कन्या भ्रूण हत्या से जुड़े अपराधिक मामलों का चेहरा कॉमेडी अंदाज में दुनिया के सामने बयां करती हुई नजर आएंगी। फिल्म में रणवीर सिंह एक गुजराती व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे।

हरियाणवी क्वीन सपना चौधरी पति वीर साहू संग हुई बेहद रोमांटिक

नई दिल्ली। हरियाणवी एक्ट्रेस और डांसिंग सेंसेशन सपना चौधरी आज एक बड़ा नाम है। सपना एक्टिंग के साथ सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन सपना की तस्वीरें और रील्स इंटरनेट पर तहलका मचाते हैं। उनके गानें ही नहीं बल्कि उनकी तस्वीरें और रील्स भी इंटरनेअ पर आते ही वायरल हो जाते है। इसी बीच सपना का एक लेटेस्ट वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह पहली बार अपने पति वीर साहू रोमांटिक होती नजर आ रही हैं। सपना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर लगातार फैंस अपनी प्रतिक्रिया देते दिख रहे है। यहां देखें वीडियो सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने पति वीर साहू संग रोमांटिक मूड में दिख रही हैं। वीडियो में आप देख सकते है कि सपना अपने पति वीर साहू संग सन सेट खूबसूरत पल का आनंद ले रही है। वीडियो में सपना अपने पति को काफी रोमांटिक अंदाज में गले लगाते और फिर किस का पोज देती दिख रही है। इस दौरान सपना ऑरेंज हाईनेक टीशर्ट और ब्लू जींस में नजर आ रही हैं तो वहीं वीर ब्लैक आउटफिट में दिख रहे हैं। वीडियो के आस पास का पहाड़ी नजारा इस पर को और भी रोमांटिक बना रहा है। कपल के इस रोमांटिक वीडियो देखने के बाद उनके चाहने वालों ने कमेंट्स की बौछार लगा दी है। वीडियो को शेयर करते हुए सपना चौधरी ने कैप्शन में लिखा- 'दिल की धड़कन' सपना चौधरी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों एंड टीवी के एक क्राइम शो 'मौका-ए-वारदात'में रवि किशन और मनोज तिवारी के साथ शो को होस्ट करती हुई भी नज़र आ रही हैं।

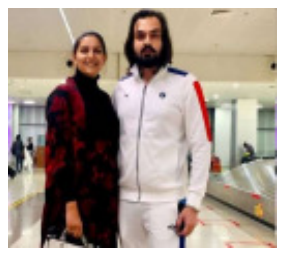

बॉबी देओल को देखते ही उनसे लिपट गए गरीब बच्चे, 'आश्रम' एक्टर के इस सलूक ने लोगों को किया हैरान

नई दिल्ली। 'आश्रम' वेब सीरीज से एक बार फिर से चर्चा में आए बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल इन दिनों लगातार सुखिऱ्यों में बनें हुए है। 'आश्रम' में बॉबी ने बाबा निराला दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। हालंकि इस सीरीज को लेकर जमकर बवाल भी मचा था। इन सबके बावजूद बॉबी ने अपनी एक्टिंग से सबका दिल जीता। 'आश्रम' वेब सीरीज का हिस्सा बनने के बाद उनकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है। इसी बीच अब बॉबी देओल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देख फैंस 'आश्रम' एक्टर की जमकर तारीफ करते दिख रहे है। यहां देखें वीडियो बॉबी देओल को हाल ही में अपने कजन अभय देओल के साथ स्पॉट किया गया। इस दौरान दोनो एक्टर का काफी मस्तीभरा अंदाज फैंस को देखने को मिला है। वीडियो में आप देख सकते है कि इस दौरान एक्टर को देखते ही कुछ गरीब बच्चे भागते हुए उनके पास आ जाते है और उन्हें गले लगाने लगते है। ऐसे में अभय और बॉबी ने भी दिल खोलकर अपना प्यार लुटाया। बॉबी ने एक-एककर करके इन बच्चों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। फैंस को बॉबी का ये अंदाज खूब भा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैंस जमकर दोनों की तारीफ में कमेंट्स कर रहे है आपको बात दें कि 'आश्रम'के बाद बॉबी ँदंब् अदत) ओटीटी पर सबसे पॉपुलर एक्टर्स में से एक बन चुके है। वहीं अब फैंस को 'आश्रम 3' के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। वहीं हाल ही में एक्टर बॉबी देओल की वेब सीरीज 'लव हॉस्टल' (थ्दन प्दोत) रिलीज हुई है। जिसमें एक्टर कोल्ड ब्लडेड मर्डर के किरदार में नजर आ रहे है। बॉबी देओल का यह तीसरा ओटीटी प्रोजेक्ट है। लव हॉस्टल में बॉबी देओल द्वारा निभाया गया खलनायक का अवतार उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है और उनको काफी सराहना मिल रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।